पटना ● शनिवार , 08 मार्च 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः61 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

भारतीय सैनिक देश की संप्रभुता के ... 3 www. bordernewsmirror.com शिबानी को कहां से आया... 7

कामयाबी | लैंडिंग के डेढ़ साल बाद आया बड़ा अपडेट

चंद्रयान 3 ने खोला चांद का एक और राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान 3 की तरफ से चांद को लेकर एक और अहम जानकारी सामने आई है। खबर है कि स्टडी से पता चलता है कि चांद के ध्रुवों पर अधिक स्थानों पर सतह के ठीक नीचे बर्फ मौजूद हो सकती है। साथ ही इसकी मात्रा पहले लगाए गए अनुमानों से भी ज्यादा हो सकती है। चांद ने 23 अगस्त 2023 को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग कर इतिहास रचा था। अहमदाबाद स्थित भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला के संकाय सदस्य एवं प्रमुख लेखक दुर्गा प्रसाद करणम ने कहा कि सतह के तापमान में बड़े, लेकिन अत्यधिक स्थानीय परिवर्तन सीधे बर्फ के निर्माण को प्रभावित कर सकते हैं और इन बर्फ कणों को देखने से उनकी शुरुआत और इतिहास के बारे में

अलग-अलग कहानियां सामने आ सकती हैं। उन्होंने कहा, इससे हमें यह भी पता चल सकता है कि समय के साथ बर्फ कैसे जमा हुई और चंद्रमा की सतह पर कैसे पहुंची, जिससे इस प्राकृतिक उपग्रह की शुरुआती भूगर्भीय प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी मिल सकती है। इससे संबंधित निष्कर्ष पत्रिका कम्युनिकेशंस अर्थ एंड एनवायरनमेंट में प्रकाशित हुआ है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा बेंगलुरु से प्रक्षेपित चंद्रयान-3 ने 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास 'सॉफ्ट लैंडिंग' की थी। इसके तीन दिन बाद 26 अगस्त को 'लैंडिंग' स्थल का नाम 'शिव शक्ति पॉइंट' रखा गया। चंद्रमा पर बर्फ के पानी में बदलने की संभावना के बारे में सवाल के जवाब में करणम ने कहा, चंद्रमा की सतह पर अल्ट्रा हाई वेक्यूम के कारण तरल रूप में पानी मौजूद नहीं रह सकता।

आपस में लड़ें नहीं, आओ साथ मिलकर चलें

● डोनाल्ड ट्रंप की सख्ती के बाद चीन ने लगाई भारत से गुहार

नई दिल्ली, बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर और डोनाल्ड ट्रंप की ओर से 20 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के ऐलान से चीन परेशान हो गया है। यही नहीं चीन ने अब भारत की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। चीन का कहना है कि यदि भारत और हम एक-दूसरे से मुकाबले की बजाय साथ आ जाएं तो दुनिया के व्यापारिक समीकरण ही बदल सकते हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने शुक्रवार कहा कि यह समय है, जब दिल्ली और बीजिंग को साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एकाधिकार और पावर पॉलिटिक्स का मुकाबला हमें साथ मिलकर करना चाहिए। नेशनल पीपल्स कांग्रेस की मीटिंग के बाद वांग ने कहा कि ड्रैगन और एलिफेंट को साथ डांस करना चाहिए। फिलहाल यही सबसे सही चीज है। वांग यी ने कहा कि हमें एक दूसरे से मुकाबला करने की बजाय मजबूती से सहयोग करना चाहिए। इससे हमारे परस्पर हितों के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि एशिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं साथ आ जाएंगी तो फिर ग्लोबल साउथ का भविष्य उज्जवल होगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक संबंधों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का विकसित होना जरूरी है। अब तक भारत की ओर से चीन के इस बयान पर कोई जवाब नहीं दिया गया है। वहीं गुरुवार को ही विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि भारत सरकार चीन के साथ अच्छे रिश्ते रखने की पहल कर रही है।

अब यह तुगलक लेन नहीं स्वामी विवेकानंद मार्ग है

केंद्रीय मंत्री और सांसद ने बदला सड़क का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर को सरकारी आवास दिल्ली के तुगलक लेन में मिला है, लेकिन उन्होंने घर पर लगी नेमप्लेट में स्वामी विवेकानंद मार्ग लिखवा लिया है। शुक्रवार को यह बदलाव किया गया, जिसमें उनके घर का पता तुगलक लेन नहीं बल्कि स्वामी विवेकानंद मार्ग बताया गया है। उनके अलावा भाजपा के एक अन्य सांसद दिनेश शर्मा ने भी ऐसा ही किया है। उन्होंने इसकी जानकारी गुरुवार को एक्स पर दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा, आज नई दिल्ली स्थित नए आवास स्वामी विवेकानंद मार्ग (तुगलक लेन) में सपरिवार विधि विधानपूर्वक, पूजन-अर्चन कर गृह प्रवेश किया।

बंकर किए बेकार, लोग भी लौटाने लगे हथियार

मणिपुर में अब जाकर बन रहे शांति के आसार

इंफाल (एजेंसी)। जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों को स्वेच्छा से सौंपने की दो सप्ताह की समयसीमा के दौरान लोगों ने सुरक्षा बलों को गोला-बारूद समेत एक हजार से अधिक हथियार सौंपे। पुलिस ने समय सीमा समाप्त होने के एक दिन बाद शुक्रवार को यह जानकारी दी। हालांकि, यह आंकड़ा अस्थाई है और इंफाल में अधिकारियों के पास सभी जिलों से विवरण पहुंचने के बाद सौंपे गए हथियारों की वास्तविक संख्या बढ़ने की संभावना है। इंफाल पूर्वोत्तर राज्य की राजधानी है, जहां फिलहाल राष्ट्रपति शासन लागू है। अधिकारी यहां लूटे गए हथियारों और अवैध रूप से खरीदे गए हथियारों को अलग करेंगे। अधिकारी ने कहा, समर्पण अवधि के दौरान घाटी के पांच जिलों,

पांच पहाड़ी जिलों और जिरीबाम में लोगों द्वारा लगभग 1,023 हथियार सौंप दिए गए हैं। पूर्वोत्तर राज्य के शेष पांच जिले नगा बहुल हैं, जहां तीन मई 2023 के बाद से जातीय हिंसा की कोई सूचना नहीं हैं। अन्य 11 जिलों में तीन मई 2023 से अब तक मेइती समुदाय और कुकी समुदाय के बीच संघर्ष में कम से कम 250 लोग मारे गए और हजारों लोग बेघर हो गए। पहाड़ी क्षेत्र कुकी समुदाय बहुल इलाके हैं जबकि घाटी इलाकों में मेइती समुदाय के लोगों की बहुलता है। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने 20 फरवरी को लोगों से सुरक्षा बलों से लूटे गए हथियारों और अवैध रूप से रखे गए अन्य हथियारों को सात दिनों के भीतर स्वेच्छा से सौंपने का आग्रह किया था। दोनों क्षेत्रों के लोगों की मांग पर समयसीमा बढ़ाई गई थी।

कांग्रेस शासित तेलंगाना में बढ़ी भाजपा की ताकत

● सीएम रेवंत रेड्डी के गढ़ में जीतीं 2 एमएलसी सीटें , आगे होगा फायदा

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में 27 फरवरी को हुए विधान परिषद चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) समर्थित उम्मीदवारों ने तीन में से दो सीटों पर जीत हासिल की। कांग्रेस-शासित इस राज्य में मिली इस जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने बधाई दी। ये जीत बीजेपी के लिए राज्य में अपने प्रभाव को बढ़ाने का एक बड़ा संकेत मानी जा रही है। यह पहली बार है जब 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद बीजेपी के पास इतनी बड़ी संख्या में निर्वाचित प्रतिनिधि हैं। पार्टी के अब राज्य में आठ विधायक (119 में से), तीन एमएलसी (40 में से) और आठ सांसद (17 में से) हो गए हैं। राज्य विधान परिषद के मेडक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा समर्थित चौधरी अंजी रेड्डी ने कांग्रेस के नरेंद्र रेड्डी को 5,000 से अधिक मतों से हराया। इस सीट का परिणाम बृहस्पतिवार को तड़के घोषित किया गया। हालांकि, कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार वी. नरेंद्र रेड्डी ने कड़ी टक्कर दी। पहले चरण की मतगणना में अंजी रेड्डी को पर्याप्त प्रथम वरीयता वोट नहीं मिले, लेकिन बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) समर्थित पी. हरिकृष्णा के बाहर होने के बाद मुकाबला सिर्फ अंजी रेड्डी और नरेंद्र रेड्डी के बीच रह गया, जिसमें बीजेपी उम्मीदवार ने जीत दर्ज कर ली। मेडक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों तथा वारंगल-खम्मम-नलगोंडा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए वरीयता मतदान प्रणाली के तहत चुनाव हुए।

महिला दिवस पर आज गुजरात में पीएम मोदी का कार्यक्रम

सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभालेंगी महिला पुलिसकर्मी

गांधीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर गुजरात के नवसारी जिले में एक विशाल कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। राज्य के एक मंत्री ने गुरुवार को इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि महिला दिवस के अवसर पर नवसारी में होने वाले प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था की कमान केवल महिला पुलिस कर्मियों के हाथों में होगी। उन्होंने कहा कि देश में यह पहली ऐसी पहल होगी। सांघवी ने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों में आईपीएस अधिकारी से लेकर कॉन्स्टेबल शामिल होंगी। प्रधानमंत्री शुक्रवार और शनिवार को गुजरात तथा केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नागर हवेली के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे, जिस दौरान वह 8 मार्च को वानसी बोरसी गांव में 'लखपति दीदी सम्मेलन' को संबोधित करेंगे। सांघवी ने कहा, ''2,100 से अधिक कॉन्स्टेबल, 187 सब-इंस्पेक्टर तैनात रहेंगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनीं अभिनेत्री रान्या राव

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 14.2 किलो सोने के साथ पकड़ी गई कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव को कोर्ट ने 3 दिन की डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यु इंटेलिजेंसी कस्टडी में सौंप दिया है। यह आदेश जस्टिस विश्वनाथ सी. गौदर की अध्यक्षता वाली इकोनॉमिक ऑफेंस कोर्ट ने जारी किया। एक दिन पहले डीआरआई ने कोर्ट को बताया था कि, रान्या देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। एजेंसी ने तर्क दिया कि उन्हें यह पता लगाना है कि सोना कहां से लाया गया पेमेंट कैसे हुआ, इसे छुपाने का तरीका क्या था और इसका इस्तेमाल कहां किया जाना था।

इमामों को सैलरी, शादी में कैश और अलग कॉलोनी का निर्णय

सिद्धारमैया के बजट में मुस्लिमों के लिए कई तरह की सौगात

बेंगलुरु (एजेंसी)। सीएम सिद्धारमैया ने शुक्रवार को कर्नाटक सरकार का बजट पेश किया। इस बजट में उन्होंने 7.5 लाख करोड़ के निवेश के साथ नई औद्योगिक नीति का ऐलान किया तो वहीं 20 लाख नई नौकरियों के सृजन का भी भरोसा दिलाया। इस बजट में उन्होंने अल्पसंख्यकों और खासतौर पर मुस्लिम समुदाय के लिए कई बड़ी योजनाओं का ऐलान किया। इनमें से एक यह है कि मुस्लिम लड़कियों के लिए 15 महिला कॉलेज खोले जाएंगे। इनका निर्माण वक्फ बोर्ड की खाली जमीनों पर ही सरकार की ओर से कराया जाएगा। इसके अलावा 16 अन्य महिला कॉलेज भी खोलने की तैयारी है। वहीं अल्पसंख्यक परिवारों को शादी में 50 हजार रुपये की मदद का भी ऐलान किया गया है। इसके लिए यह शर्त होगी कि शादी सादे समारोह में की जाए। यदि लग्जरी शादी हुई तो ऐसी मदद नहीं मिल पाएगी। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपना 16वां बजट पेश करते हुए इमामों की सैलरी भी बढ़ाकर 6 हजार करने का ऐलान किया। इसके अलावा जैन पुजारी, सिख ग्रंथियों को भी इतनी ही सैलरी मिलेगी।

वहीं सहायक ग्रंथी और मस्जिद के मुइज्जिनों को भी 5000 रुपये प्रति माह का मानदेय दिया जाएगा। उन्होंने ऐलान किया कि बेंगलुरु में बने हज भवन का भी विस्तार किया जाएगा। यहां हज यात्रियों और उनके परिजनों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

माया के बाद अब ममता की पार्टी में बदलाव की आहट !

कोलकाता (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने हाल ही में अपनी पार्टी बीएसपी में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए। उन्होंने अपने भतीजे को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में भी बदलाव की आहटें सुनाई देने लगी हैं। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में हुई वोटर लिस्ट जांच की महत्वपूर्ण बैठक से गायब रहने के बाद नई अटकलें तेज हो गई हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा पिछले हफ्ते गठित की गई उच्च स्तरीय समिति की यह पहली पहली बैठक थी।

धारावी परियोजना पर रोक लगाने से 'सुप्रीम' इनकार

● अडानी के खिलाफ यूएई की कंपनी को लगा तगड़ा झटका

मुंबई (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) के निर्माण कार्य पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। अदालत ने बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए अडानी ग्रुप के पक्ष में निर्णय दिया।

यूएई स्थित सेकलिंक टेक्नोलॉजीज कॉर्पोरेशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि परियोजना का काम पहले ही शुरू हो चुका है और कुछ रेलवे क्वॉर्टर्स का ध्वस्तीकरण भी किया जा चुका है। अपनी याचिका में सेकलिंक ने महाराष्ट्र सरकार के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उसकी पहले की बोली रद्द कर दी गई थी और परियोजना अडानी प्रॉपर्टीज लिमिटेड को सौंप दी गई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश दिया कि परियोजना से संबंधित सभी भुगतान सिंगल एस्क्रो खाते से किए जाएं।

विरोध | हर एमएलए का घर घेरेंगे, मान के यहां देंगे धरना

पंजाब सरकार पर जमकर भड़के किसान, दी चेतावनी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। किसानों को चंडीगढ़ जाने से रोकने पर पंजाब के संगठनों में रोष व्याप्त हो गया है। अब तक केंद्र सरकार के खिलाफ ही मोर्चा खोलने वाले संयुक्त किसान मोर्चा ने पंजाब की भगवंत मान सरकार के खिलाफ आंदोलन का फैसला लिया है। भारतीय किसान यूनियन (लाखोवाल) के नेता हरिंदर सिंह लाखोवाल ने अब भगवंत मान सरकार के सभी विधायकों के घरों का घेराव करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि हम 10 मार्च को पूरे प्रदेश में आम आदमी पार्टी के विधायकों के घरों का घेराव करेंगे। उन्होंने कहा कि आगे के आंदोलन को लेकर भी हम रणनीति बना रहे हैं। किसान नेताओं का कहना है कि भगवंत मान ने सही से बात नहीं की और जिस तरह से मीटिंग छोड़कर निकल गए। वह ठीक नहीं था। लाखोवाल ने कहा कि सरकार से असहमति जताने के लिए एएपी के सभी विधायकों के घरों के बाहर धरना दिया जाएगा। ये धरने 10 मार्च को सुबह 10 से दोपहर तक 3 बजे तक दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्दी ही एक ऐक्शन प्लान तैयार करेंगे। इसके

अलावा 15 मार्च को चंडीगढ़ स्थित सीएम भगवंत मान के घर का भी घेराव किया जाएगा। लाखोवाल ने कहा, 'हम इस बात पर मंथन कर रहे हैं कि कैसे अपने आंदोलन को आगे बढ़ाया जाए। हम 15 मार्च को सीएम भगवंत मान को चर्चा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेंगे। यदि वह उस दिन उपलब्ध नहीं हैं तो फिर अपनी सुविधा के अनुसार कोई और तारीख बता सकते हैं।' उन्होंने कहा कि भगवंत मान ने हाल ही में किसानों से मीटिंग की थी, लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकला। इसकी वजह यह थी कि भगवंत मान ने मीटिंग ही आधे में छोड़ दी और किसानों की मांगों को लेकर दिलचस्पी नहीं दिखाई। लाखोवाल ने कहा कि भगवंत मान का रुख ही ऐसा था कि किसानों के पास सड़कों पर उतरने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं बचा। इस बीच 5 मार्च को हिरासत में लिए गए उन सभी किसानों को रिहा कर दिया गया है, जिन्हें चंडीगढ़ जाने के दौरान पुलिस ने पकड़ा था।

बता दें कि पंजाब में किसान भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को जमीन देने और किसानों के कर्ज माफ करने की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा भूमि अधिग्रहण के नियमों को लेकर भी मांगें हैं, लेकिन अब तक राज्य सरकार से चर्चा में कोई नतीजा नहीं निकला।

नालंदा में सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में शुक्रवार की रात 2 अलग-अलग थाना क्षेत्र में शादी समारोह में शामिल होने गए पांच लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा एकंगरसराय थाना और हरनौत थाना क्षेत्र में हुई है। जिनमें 3 दोस्त और 2 सगे सादू की मौत हो गई। हिलसा थाना क्षेत्र के बाईपास इलाके में बीती रात शादी समारोह में शामिल होने जा रहे एक ही बाइक पर तीन युवकों की अज्ञात वाहन से कुचल कर मौत हो गई। मृतकों में हिलसा थाना क्षेत्र के पारथु गांव निवासी पप्पू प्रसाद के (20) वर्षीय पुत्र रोहित राज राजनंदन बिन्द के (18) वर्षीय पुत्र दिलशांत कुमार एवं योगेश्वर प्रसाद के (23) वर्षीय पुत्र ओमप्रकाश के रूप में की गई है। घटना के संबंध में परिजन ने बताया कि तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर गांव से निकली बारात में शामिल होने के लिए पटना के फरीदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अरैया गांव जा रहे थे। इसी बीच हिलसा थाना क्षेत्र के बाईपास इलाके में अज्ञात बोलेरो ने टक्कर मार दी। इस हादसे में तीनों युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दिलशांत कुमार क्लास 9वीं क्लास में ओम प्रकाश ग्रेजुएशन पार्ट 3 में जबकि रोहित राज ग्रेजुएशन के पार्ट वन में पढ़ाई कर रहा था।

ऑटो और कार की टक्कर में हुई मौत

वहीं, दूसरी तरफ सीएनजी ऑटो और कार के बीच टक्कर हो गई। जिसके बाद दोनों गाड़ियां करीब 30 फीट नीचे गहरी खाई में चली गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मामला हरनौत थाना क्षेत्र अंतर्गत गोनावां पुल के समीप की है। मृतकों की पहचान नूरसराय थाना क्षेत्र के मेयार गांव निवासी स्वर्गीय सरयुग पासवान के (58) वर्षीय पुत्र राम प्रवेश पासवान एवं पटना जिला के सकसोहरा थाना क्षेत्र निवासी स्वर्गीय बच्चू पासवान के (50) वर्षीय पुत्र विवेक कुमार के रूप में की गई है। दोनों रिश्ते में सादू लगते हैं।

घटना के बाद मौके से चालक फरार

घटना के संबंध में परिजन ने बताया कि हरनौत थाना क्षेत्र के बलवापर गांव से शादी समारोह में शामिल होकर ऑटो पर सवार होकर दोनों व्यक्ति लौट रहे थे। तभी गोनावां पुल के समीप कार ने टक्कर मार दी। मौके से ऑटो चालक और कार सवार फरार हो गया। जबकि पानी में डूब कर रामप्रवेश पासवान और विवेक कुमार की मौत हो गई। विवेक कुमार गांव में ही सरकारी शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। अंधेरा होने और पुल के समीप पानी ज्यादा होने के कारण शवों को बाहर निकालने में पुलिस को काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा। गाड़ी नंबर और पॉकेट में मिले पहचान पत्र के आधार पर मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी पुलिस के द्वारा दी गई।

परिजनों से मिलने पहुंचे सांसद

जिले में एक ही रात सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत की सूचना मिलने के उपरांत नालंदा सांसद कौशलेंद्र कुमार सदर अस्पताल पहुंचे और परिजनों को दुख की घड़ी में ढांढस बंधाया। इस मामले में हरनौत थाना अध्यक्ष अमरदीप कुमार ने बताया कि राहगीरों के द्वारा घटना की जानकारी गश्ती पुलिस को दी गई। जिसके उपरांत पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और पानी से शव को बाहर निकाला गया।

बेगूसराय में बोलेरो पलटने से एक की मौत, कई घायल

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में एनएच-31 फोरलेन पर देर रात बारात जा रही बोलेरो अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। इस हादसे में एक बराती की मौत हो गई, वहीं आधा दर्जन बराती गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना लाखो थाना क्षेत्र में शाहपुर टोल प्लाजा के समीप की है। मृतक की पहचान वीरपुर थाना क्षेत्र के बखतपुर निवासी राम शकल महतो के पुत्र राहुल कुमार (16) के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि राहुल कुमार अपने छह दोस्तों के साथ बोलेरो पर सवार होकर बेगूसराय से लखीसराय बारात जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार बोलेरो शाहपुर के समीप सामने से आ रहे गाड़ी से चकमा खाकर गड्ढे में पलट गई।

10 फीट नीचे गड्ढे में पलट गई गाड़ी : जिसके कारण एनएच किनारे गड्ढे में पलटते हुए बिजली की पोल से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गया। इतना जबरदस्त था कि बोलेरो 10 फीट नीचे गड्ढे में पलट गया। जिसमें राहुल बोलेरो के नीचे दब गया, जिससे उसे काफी देर तक नहीं निकाला जा सका और उसकी मौत हो गई। जबकि अन्य बाराती को स्थानीय लोगों की मदद से निकाल कर इलाज के लिए भेजा गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना लाखो थाना को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची लाखो थाना की पुलिस ने जेसीबी के माध्यम से बोलेरो को गड्ढे से निकाला तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा जा सका। फिलहाल घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

मिड-डे मील रसोइयों से रिश्वत मांगने का आरोप

मोतिहारी में प्रधानाध्यापिका पर 5-5 हजार रुपए मांगने का आरोप, ग्रामीणों ने किया विरोध

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में एक सरकारी स्कूल की प्रधानाध्यापिका पर रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगा है। कल्याणपुर प्रखंड के राजकीय बुनियादी विद्यालय, माधोपुर गोविंद की घटना है। प्रधानाध्यापिका उषा देवी पर तीन महिला रसोइयों से 5-5 हजार रुपए की मांग का आरोप है। रसोइयों के मुताबिक, ढाई महीने पहले उनकी नियुक्ति हुई थी। इस दौरान न तो उन्हें कोई भुगतान मिला और न ही उनके कागजात मुख्यालय में जमा कराए गए। पैसे नहीं मिलने पर प्रधानाध्यापिका ने तीनों रसोइयों - शोभा देवी, मनीता देवी और सीमा देवी के नियुक्ति संबंधी कागजात वापस लौटा दिए। इससे नाराज ग्रामीणों ने स्कूल में विरोध प्रदर्शन किया। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी तारनी कुमार दास ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने पाया कि स्कूल में मध्यान्ह भोजन पंजी खाली थी और कई दिनों से अपडेट नहीं की गई थी। ग्रामीणों ने रसोइयों की नियुक्ति से जुड़े दस्तावेज भी शिक्षा अधिकारी को सौंपे हैं। मामले की शिकायत एसडीओ कार्यालय में भी दर्ज कराई गई है।

पटना में शराब लदी कार ने 5 बारातियों को कुचला

चश्मदीद बोले- किसी का पैर टूटा तो किसी का कमर

पटना, एजेंसी। बिहार में होली को लेकर शराब माफिया शराब की तस्करी खूब कर रहे हैं. इसी कड़ी में पटना के फुलवारीशरीफ में शराब तस्कर की बेलगाम तेज रफ्तार कार से बड़ा हादसा हुआ. देर रात पटना एम्स गोलंबर के पास एक तेज रफ्तार कार ने बारातियों के वाहन में टक्कर मार दी. इस घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. पटना में शराब तस्कर गिरफ्तार: घायलों को तुरंत एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है. मौके पर मौजूद बाराती धीरेंद्र कुमार ने कहा कि हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए कार का पीछा कर पकड़ लिया. एक तस्कर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. बताया जा रहा है कि कार में दो नंबर प्लेट है. जो जांच में बिहार और झारखंड का नंबर प्लेट पता चला है. कार में भारी मात्रा में अवैध शराब भरी हुई थी. बाराती धीरेंद्र कुमार ने बताया कि ÷एक अवैध शराब से लदी कार ने बारातियों से भरी गाड़ी में टक्कर मार दी है, जिससे पांच लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं. किसी के पैर टूट गए तो किसी का कमर टूट गया. कार से पुलिस ने भारी मात्रा में शराब बरामद की है.

बेगूसराय में लगेगा रंग कर्मियों का मेला: 21 से 26 मार्च तक आयोजित होगा राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव, महाराष्ट्र

नई दिल्ली और पश्चिम बंगाल से पहुंचेंगे कलाकार

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार में रंगकर्म और साहित्य की राजधानी कहे जाने वाले बेगूसराय में एक बार फिर देशभर के विभिन्न हिस्सों के रंग कर्मियों का मेला लगने जा रहा है। बेगूसराय में यह मेला राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव को लेकर लगेगा। दरअसल जिला मुख्यालय के दिनकर भवन में 21 से 26 मार्च तक दसवां आशीर्वाद राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है।जिसमें बेगूसराय ही नहीं, महाराष्ट्र, नई दिल्ली और पश्चिम बंगाल सहित अन्य जगहों की नामचीन संस्थाओं द्वारा 6 नाटकों की प्रस्तुति की जाएगी। कार्यक्रम की तैयारी अंतिम चरण में है। फेस्टिवल डायरेक्टर अमित रोशन ने बताया कि 21 मार्च की शाम देश के चर्चित नाट्य निदेशक और समीक्षकों की उपस्थिति में दिनकर भवन में नाटय समारोह का शुभारंभ होगा।

कार्यक्रम का स्वरूप

पहले दिन बेगूसराय के आशीर्वाद रंग मंडल द्वारा डॉ. अमित रोशन के निर्देशन में मृणाल ठाकुर लिखित नाटक पश्मीना का मंचन कर इस राष्ट्रीय महोत्सव का आगाज किया जाएगा। दूसरे दिन 22 मार्च को यूनिकॉर्न थिएटर नई दिल्ली द्वारा हैप्पी रंजीत के निर्देशन में ऑल माय सन नाटक का मंचन किया जाएगा। तीसरे दिन 23 मार्च को पश्चिम बंगाल की चर्चित नाट्य संस्था कोलकाता के हजारा वाला टीम द्वारा साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित लेखक चंदन सेन के निर्देशन में अनिकेत संध्या नाटक का मंचन किया जाएगा। चौथे दिन 24 मार्च को रंग सृजन बेगूसराय द्वारा सचिन कुमार के निर्देशन में प्रदीप बिहारी लिखित मैथिली नाटक कांट का मंचन होगा। पांचवें दिन 25 मार्च को रागा पटना द्वारा रंधीर कुमार के निर्देशन में ऋषिकेश सुलभ लिखित नाटक स्मॉल टाउन जिंदगी का मंचन होगा। समारोह के अंतिम दिन 26 मार्च को महाराष्ट्र के स्वतंत्र थियेटर पुणे द्वारा अभिजीत चौधरी के निर्देशन में हमीदा बाई की कोठी नाटक का मंचन किया जाएगा। इसके साथ-साथ देशभर में ख्याति प्राप्त नाट्य निदेशक, नाट्य समीक्षक, फिल्म अभिनेता के आने की स्वीकृति मिली है। सभी लोग 6 दिन यहीं रहेंगे, नाटक देखेंगे। राष्ट्रीय नाट्य समारोह के माध्यम से बेगूसराय के दर्शक देशभर के रंग संस्कृति से परिचित होंगे। बेगूसराय में लंबे समय से रंग आंदोलन और रंग प्रदर्शन होते रहा है। 1996 में आशीर्वाद रंग मंडल से जुड़े और देश के विभिन्न शहरों में जाकर नाट्य समारोह देखने जाते थे। तभी इच्छा जगी थी कि किस तरह से अन्य प्रदेशों और राजधानियों में विभिन्न राज्यों की नाट्य संस्थाएं नाटक करती है। संसाधन मिला तो हम भी बेगूसराय के रंग दर्शकों को अलग-अलग राज्यों के नाट्य दर्शकों को मंचन दिखाएंगे। इसके बाद 2010 में बेगूसराय में पहली बार आशीर्वाद रंग मंडल द्वारा राष्ट्रीय नाट्य समारोह की शुरूआत किया गया। उसके बाद से हमारा यह प्रयास लगातार जारी है। बीच में कोरोना सहित कुछ बाधाएं आई और अब 10वें राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

हिंदू-मुस्लिम के नाम पर बंटवारा करा रही कांग्रेस-राजद

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान गुरुवार की देर रात हाजीपुर पहुंचे। जहां उन्होंने कांग्रेस और राजद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि ये पार्टियां समाज में हिंदू-मुस्लिम के नाम पर बंटवारा करवा रही हैं। चिराग पासवान ने कहा कि इन पार्टियों के लिए सेक्युलरिज्म का मतलब सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति है। वे एक धर्म विशेष के लोगों की वाह-वाही करते हैं और उनकी गलतियों पर पर्दा डालते हैं। उन्होंने कहा कि राजद, सपा और कांग्रेस ने हिंदू-मुस्लिम के नाम पर तुष्टीकरण करके देश और समाज का नुकसान किया है। प्रशांत किशोर के राघोपुर से चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति स्वतंत्र है। जनता को ही फैसला करना है। शराबबंदी के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि गठबंधन में पहले से ही ताड़ी और नीरा को शराब की श्रेणी से हटाने की मांग की जा रही है। बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट की सरकार बनने पर इसे गंभीरता से लागू किया जाएगा। बता दें कि चिराग पासवान हाजीपुर में एक पत्रकार की बेटी की शादी में भी शामिल हुए और उन्हें आशीर्वाद दिया।

प्रशांत किशोर की राह पर तेजस्वी यादव ! बोले- सरकार में आते ही ताड़ी से प्रतिबंध हटा देंगे

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा में विरोधीदल के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने जहां एक ओर युवाओं को भरोसा दिलाया है कि उनकी सरकार बनने पर बिहार में 100 प्रतिशत डोमिसाइल नीति लागू होगा. वहीं दूसरी तरफ तेजस्वी यादव ने आज घोषणा करते हुए कहा कि उनकी सरकार बनने पर बिहार में ताड़ी पर लगा प्रतिबंध खत्म होगा.

ताड़ी से हटाएंगे प्रतिबंध

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में पासी समाज के लोगों का मुख्य पेशा ताड़ी से जुड़ा हुआ है. पासी समाज की आय का मुख्य साधन ताड़ी है. तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में शराबबंदी के बाद ताड़ी की खरीद-बिक्री पर भी रोक लगा दिया गया था. उनकी सरकार बनने के बाद 2016 जो ताड़ी पर प्रतिबंध लगाया गया उसको हटाने का काम किया जाएगा. तेजस्वी यादव ने कहा कि हमलोग बिहार में शराबबंदी के खिलाफ नहीं है, लेकिन ताड़ी एक नेचुरल प्रोडक्ट है. तारी के रोजगार से पासी समाज के लोग कई पीढ़ियों से जुड़े हुए हैं. इसलिए उन लोगों का दर्द है कि इस व्यवसाय से उन लोगों को नहीं हटाया जाए. यही कारण है कि हमलोगों ने यह निर्णय लिया है कि हमारी सरकार बनने के बाद ताड़ी पर लगाया गया प्रतिबंध हटाया जाएगा. जब लालू प्रसाद की सरकार थी तो बिहार में तारीख को टैक्स फ्री किया गया था.

जहरीली शराब से लोगों की मौत : तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि शराबबंदी के बाद 2000 से अधिक लोग जहरीली शराब पीने से मारे गए हैं. तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था नाम की चीज नहीं रह गई है. नीतीश कुमार अचेत अवस्था में चले गए हैं.

शराबबंदी के बाद बिहार में 12 लाख 39 हजार से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हुई है. इसमें 90प्रतिशत से अधिक लोग अति पिछड़ा एवं दलित समाज के लोगों को गिरफ्तार किया गया है. 8 लाख 47 हजार 907 मामला दर्ज किया गया है. दर्ज मामले के आधार पर गणना की जाए तो 400 से अधिक लोगों की प्रतिदिन गिरफ्तारी हो रही है. हर घंटे 8 लोगों की गिरफ्तारी हो रही है.

बिहार में अपराधियों की बहार है

तेजस्वी यादव ने कहा कि सदन में जब वह बोल रहे थे तो मुख्यमंत्री सदन से गायब थे. जब मैं मुख्यमंत्री से पूछा कि आपका मंत्रियों का नाम आपको मालूम है क्या आपको अपने उपमुख्यमंत्री का नाम मालूम है. इस पर कोई जवाब नहीं. तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराधियों की बहार है. खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपराधियों को जेल से छुड़वाने का काम करते हैं.

एजेंडा में युवा और रोजगार

तेजस्वी यादव ने कहा कि वे बिहार में नौकरी, पलायन, बेरोजगार नौजवानों के लिए फ्री में फॉर्म भरने की बात कही है. तेजस्वी यादव ने कहा कि वह पेपर लीक की बात उठा रहे हैं. नीतीश कुमार पर निशाना चाहते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि 2005 से पहले न चांद था न तारा था. न दिन होती थी ना रात होती थी. तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने दो बार नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने में मदद की. जहां तक लालू प्रसाद का सवाल है तो लालू प्रसाद ने देश में कई प्रधानमंत्री को बनाया है.

मैं किसी पार्टी का नहीं, हिंदुत्व का विचारक हूं, 8 मार्च को लगेगा दिव्य दरबार: धीरेंद्र शास्त्री

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज में धीरेंद्र शास्त्री हनुमंत कथा कर रहे हैं। 5 दिवसीय कथा का आज दूसरा दिन है। आज करीब 40 से 50 हजार भीड़ जुटने की उम्मीद जताई जा रही है। बाबा का कथा सुनने के लिए 100 किमी दूर छपरा, सीवान से भक्त यहां आ रहे हैं। कथा के पहले दिन धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, मेरे बिहार आने से बहुत लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। लेकिन मैं किसी पार्टी का विचारक नहीं हूं, मैं हिंदुत्व का विचारक हूं। यह राम का देश है। यदि यहां कथा नहीं सुना सकते तो फिर कहां सुनाएंगे? जब तक मेरे तन में प्राण हैं, मैं हिंदुओं के लिए जीउंगा और हिंदुओं के लिए ही मरूंगा।

बिहार हमारा है, जब तक जिंदा हूं, तब तक बिहार आऊंगा : उन्होंने आगे कहा, बिहार हमारा है, जब तक जिंदा हूं, तब तक बिहार आऊंगा। मुझे कोई बिहार आने से रोकेगा तो यहां मठ बना लूंगा। घर बना लूंगा। मार दोगे तो फिर बिहार में जन्म लूंगा। छेड़ोगे तो छोड़ूंगा नहीं। ठठरी के बरे, नकटा, मूसरचंक, हलवानाथ तुम्हारे बाप का देश है जो मुझे मारेगे।

8 मार्च को लगेगा दिव्य दरबार : पंडित धीरेंद्र शास्त्री 5 दिन के बिहार दौरे पर हैं। गुरुवार को गोपालगंज में उनकी हनुमंत कथा का पहला दिन था। शाम करीब सवा 5 बजे के बाद कथा शुरू हुई थी। धीरेंद्र शास्त्री कल यानी की 8 मार्च को गोपालगंज में दिव्य दरबार लगाएंगे, इसमें करीब 70 हजार से 1 लाख तक भीड़ जुटने की उम्मीद है।

पंडाल में 2 लाख लोगों के बैठने की क्षमता : बागेश्वरी धाम के धीरेंद्र शास्त्री 10 मार्च तक बिहार में रहेंगे। धीरेंद्र शास्त्री गोपालगंज के भोरे प्रखंड स्थित राम जानकी मठ में हनुमंत कथा कर रहे हैं। दोपहर के 3 बजे से कथा की शुरुआत हो रही है। 60 एकड़ में इसके लिए पंडाल बनाया गया है। जिसमें 2 लाख लोग एक साथ बैठने की व्यवस्था है।

5 जगहों पर पार्किंग की व्यवस्था : पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा को लेकर कथा स्थल के आसपास 5 जगह पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसमें राधागंज मठ, सईया देवी मंदिर (मध्य विद्यालय राधागंज), लखराव फिल्ड, कल्याणपुर स्कूल शामिल हैं। वीआईपी के लिए पार्किंग की व्यवस्था बारह बीघा मैदान में की गई है। इसके अलावा पप्पू कुमार के खेत सईया देवी मंदिर के सामने पेड पार्किंग की व्यवस्था होगी।

मधेपुरा जेल अधीक्षक पर प्रताड़ना का आरोप

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा मंडल कारा के जेल अधीक्षक संजय कुमार के खिलाफ मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और गाली-गलौज के गंभीर आरोप लगे हैं। इस मामले में अब सबकी नजरें जांच टीम पर टिकी हैं। डीएम तरनजोत सिंह ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। जांच टीम के अध्यक्ष डीएसओ शंकर शरण ने बताया कि उन्हें गुरुवार को जांच से संबंधित पत्र प्राप्त हुआ है और एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। दरअसल, जेलर संजय कुमार गुप्ता और जेल चिकित्सक डॉ. सुशील कुमार सहनी ने मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए डीएम, एसपी, मानवाधिकार आयोग और पीएमओ तक अपनी शिकायत भेजी है। जेलर संजय गुप्ता का कहना है कि जेल अधीक्षक उनको बेवजह प्रताड़ित करते हैं। अधीनस्थ कर्मियों के सामने जलील करते हैं। संजय गुप्ता ने बताया कि लगातार प्रताड़ना के कारण उन्हें अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा है। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी को जेल अधीक्षक ने उन्हें आवास पर बुलाकर इतना दुर्व्यवहार किया कि उन्हें हार्ट अटैक आ गया। इसके बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक ऑडियो में जेल अधीक्षक किसी को कह रहे हैं कि अगर जेलर मेरे ऑफिस में आए तो उसे धक्का देकर बाहर निकाल दो। ऑडियो में जेलर को भद्दी-भद्दी गलियां देते हुए भी सुना जा सकता है। इस मामले पर जेल अधीक्षक संजय कुमार ने कहा कि यह जांच का विषय है। जांच के बाद मामला क्लियर हो जाएगा।

भोजपुर में पिता-पुत्री को युवकों ने पीटा:जख्मी ने लगाया मारपीट और छेड़खानी का आरोप

अस्पताल में इलाज जारी

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के बरगही गांव में गुरुवार को छेड़खानी का विरोध करने पर गांव के युवकों ने पिता-पुत्री की जमकर पिटाई कर दी गई। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए।इसके बाद अन्य लोगों के बीच बचाव के बाद डायल 112 नंबर पुलिस वाहन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार ज़ख्मियों में गजराजगंज ओपी क्षेत्र के बरगही गांव निवासी 50 वर्षीय भगवान महतो एवं 18 वर्षीया उनकी पुत्री जया कुमारी है।

पिता-पुत्री को युवकों ने पीटा : जया कुमारी ने बताया कि गांव के ही कुछ युवक के उसके साथ बराबर टोन बाजी और छेड़खानी करने की कोशिश करते थे लेकिन कर नहीं पाते थे। गुरुवार की शाम जब वह अपने दरवाजे पर बैठी थी। तभी उक्त युवक अपने अन्य साथियों के साथ वहां आए और उसके साथ छेड़खानी करने लगे।

जब उसने इसका विरोध किया तो उनके द्वारा उसकी जमकर पिटाई कर दी गई। घटना की सूचना पाकर जब उसके पिता भगवान महतो बीच बचाव करने गए तो उक्त युवकों उनकी भी पिटाई कर दी।

युवती के सिर पर गहरा निशान : बदमाश युवकों ने पित-पुत्री को काफी देरी तक बेहरमी से पिटाई करते रहे। युवकों ने युवती के सिर पर काड़ा से मारकर जख्मी कर दिया है। वहीं, ऑन ड्यूटी चिकित्सक अमन ने बताया कि युवती के ललाट पर जख्म का गहरा निशान था जबकि उसके पिता के शरीर में चोट के निशान थे।

दूसरी तरफ जख्मी जया कुमारी ने गांव के ही संदीप,सुधीर,सुजीत,अंकुश एवं विशाल सहित उनके साथ रहे अन्य दोस्तों पर छेड़खानी का विरोध करने पर काड़ा एवं डंडों से मारकर खुद को एवं अपने पिता को जख्मी करने का आरोप लगाया है। बाहर पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

रोसरा विधायक ने सदन में जिले के लिए रखी मांग:सदन में क्रिकेट और फुटबॉल स्टेडियम का उठाया मुद्दा

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर जिले के रोसरा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक वीरेंद्र कुमार ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शिवाजीनगर प्रखंड के जाखर धरमपुर पंचायत में क्रिकेट स्टेडियम एवं फुटबॉल स्टेडियम बनाने की मांग रखी। विधायक बीरेंद्र कुमार ने कहा कि जाखर धरमपुर पंचायत में क्रिकेट एवं फुटबॉल मैदान के लिए पर्याप्त जगह है। जहां पर स्टेडियम बनाया जा सकता है स्टेडियम बनाने से इस इलाके में खेल को बढ़ावा मिलेगा जिससे ग्रामीण प्रतिभाएं उभर कर सामने आएगी। उन्होंने कहा कि पंचायत की आबादी करीब 15 हजार के आसपास है लेकिन यहां स्टेडियम की अभाव है। क्रिकेट स्टेडियम और फुटबॉल स्टेडियम बन जाने से जाखर धरमपुर पंचायत सहित आसपास के पंचायत एवं गांव के लोगों को फायदा मिलेगा। स्टेडियम बन जाने से युवाओं के लिए काफी लाभदायक होगा। रोसड़ा विधायक बीरेंद्र कुमार ने विधानसभा सत्र में एनएच 527 ई रोसड़ा रामनगर दरभंगा एवं पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे पर औद्योगिक परिक्षेत्र विकसित करने की भी मांग की। विधायक बीरेंद्र कुमार ने कहा कि जनहित के मुद्दे को लगातार सदन में उठाने का काम करते हैं और उन्होंने कहा की समस्याओं का निराकरण भी कराते हैं। इस पहल का भाजपा पूर्व प्रदेश महामंत्री सुशील कुमार चौधरी, पूर्व जिला मंत्री सह विधायक प्रतिनिधि शिवाजीनगर अनिल कुमार सिंह, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष संतोष कुमार बबली, पूर्वी मंडल अध्यक्ष ललित कुमार झा, भाजपा कार्यकर्ता नवीन कुमार सिंह, समेत अन्य लोगों के प्रति आभार प्रकट किया।

कैमरे के नज़र में

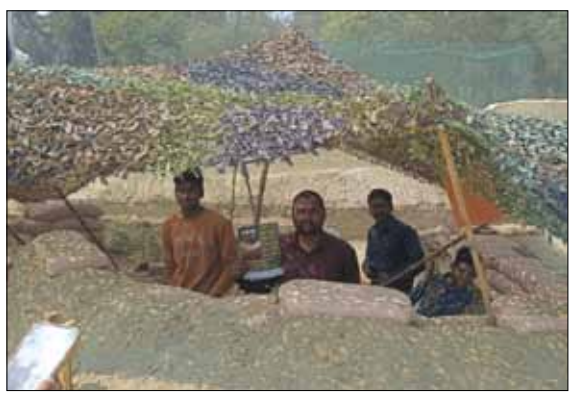

भारतीय सैनिक देश की संप्रभुता के असली रक्षक हैः राज्यपाल

बिहार के गवर्नर आरिफ मोहमद खान की उपस्थिति में हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

बीएनएम। मोतिहारी

भारतीय सेना के तीनो अंगो की वीरता शक्ति व पराक्रम का प्रदर्शित करने वाला दो दिवसीय शौर्य वेदनाम उत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को मोतिहारी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में हुआ। इस बहुप्रतीक्षित दो दिवसीय उत्सव में सैन्य उपकरणों, मार्शल आर्ट, सैन्य बैंड द्वारा सामूहिक प्रदर्शन, विशेष बलों द्वारा युद्ध प्रदर्शन, मोटरसाइकिल करतब और डॉग शो और ऐसे कई अन्य आकर्षणों का शानदार प्रदर्शन किया गया। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारतीय सैनिक देश की संप्रभुता के असली रक्षक है,उनकी देश और यहां नागरिको के प्रति प्रतिबद्धता के कारण ही हम सब रात में चैन की नींद सो पाते है। सांसद राधा मोहन सिंह ने कहा कि मोतिहारी में पहली बार ऐसा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।इस कार्यक्रम से युवाओं को भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में सेना के जवानो ने मार्शल आर्ट और नवीनतम सैन्य उपकरणों के शानदार प्रदर्शन किया।कार्यक्रम में एक शानदार प्रदर्शनी भी लगाये गये है।जिसमे टी-90 टैंक, भारतीय सेना का मुख्य युद्धक टैंक, स्वदेशी के-9 वज्र स्व-चालित तोप, बीएमपी वाहन और घरेलू रूप से निर्मित हथियार लोकेटिंग रडार (डब्ल्यूएलआर) स्वाति सहित अन्य सैन्य उपकरणो को प्रदर्शित किया गया है। कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना ने तीन एसयू-30 लड़ाकू विमान, दो एएन 32 परिवहन विमान और चेतक हेलीकॉप्टरों का एक लुभावनी फ्लाईपास्ट भी किया गया। आईएएफ की आकाश गंगा टीम ने लगभग 8000 फीट की ऊंचाई से लड़ाकू फ्री फॉल का प्रदर्शन किया, जिसे देख दर्शकों काफी रोमांचित होते दिखे।वही भारतीय नौसेना के कर्मियों ने आगंतुकों के साथ बातचीत की, नौसेना की त्रि-आयामी क्षमताओं के बारे में विचार साझा किया और युवाओं को इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित करते हुए नौसेना बैंड का प्रदर्शन किया। समारोह में स्थानीय सांसद सह रक्षा मामले संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष राधा मोहन सिंह, बिहार सरकार के कई मंत्री गण एवं विधायक गण, मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता और भारतीय सशस्त्र बलों, केंद्र और राज्य सरकारों के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।इसके साथ ही झारखंड और बिहार सब एरिया के जीओसी मेजर जनरल विकास भारद्वाज सहित वरिष्ठ सैन्यकर्मी, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक पूर्वी चंपारण सहित बड़ी संख्या में स्कूल व कॉलेज के छात्रगण,एनसीसी कैडेटस व आम नागरिक इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

एमजीसीयू की सहायक प्रोफेसर डॉ स्वेता चार्ल्स वॉलेस फैलोशिप के लिए हुई चयनित

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, के समाजशास्त्र विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ स्वेता को क्वीन'स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, आयरलैंड में प्रतिष्ठित चार्ल्स वॉलेस फैलोशिप के तहत विजिटिंग स्कॉलर के रूप में चुना गया है। यह प्रतिष्ठित फैलोशिप चार्ल्स वॉलेस इंडिया ट्रस्ट द्वारा वित्तपोषित और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा प्रशासित है, जिसका उद्देश्य भारतीय समाजशास्त्र और नृविज्ञान के विद्वानों को अनुसंधान के अवसर प्रदान करना है।डॉ. स्वेता ने मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक और परास्नातक किया है और उन्होंने अपना पीएचडी, स्वर्गीय प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव (पूर्व निदेशक, नृविज्ञान सर्वेक्षण संस्थान, भारत सरकार) के मार्गदर्शन में पूर्ण किया, जिन्हें वह अपनी प्रेरणा स्रोत मानती हैं। उनका शोधकार्य संस्कृति और पर्यावरण के अंतर्संबंधों पर केंद्रित रहा है। उनकी एम.ए. थीसिस कोन्याक नागा जनजाति की खाद्य परंपराओं पर आधारित थी, जबकि उनकी पीएचडी शोध, "घाटः बनारस के रिवरफ्रंट्स – एक नृविज्ञान अध्ययन", वाराणसी के गंगा घाटों पर होने वाले सांस्कृतिक अनुष्ठानों और जल संसाधन प्रबंधन पर केंद्रित थी।

शौर्य वेदनम उत्सव में आयोजित रोजगार मेला में 25 पूर्व सैनिको को मिला रोजगार का अवसर

बीएनएम। मोतिहारी

जिला मुख्यालय मोतिहारी स्थित ऐतिहासिक गांधी मैदान में सेना जवानो के पराक्रम को प्रदर्शित करने वाले दो दिवसीय शौर्य वेदनम उत्सव के दौरान पूर्व सैनिकों के लिए आयोजित विशेष रोजगार मेला में 25 पूर्व सैनिकों को विभिन्न निजी कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त हुए। उल्लेखनीय है,कि फिलवक्त पूर्वी चंपारण जिले में लगभग 8,000 पूर्व सैनिक है। जिन्हें रोजगार से जोड़ने के साथ ही उनके लिए अन्य अवसर प्रदान करने के लिए इस रोजगार मेला का आयोजन किया गया। पूर्व-मध्य भारत के सेना के डीजी पद्म सिंह शेखावत ने कहा कि यह फेयर पूर्व सैनिकों को सम्मानजनक करियर के नए अवसर उपलब्ध कराने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। मेला के माध्यम से उन्हे देश सेवा के बाद निजी कंपनियों में काम करने का यह एक बेहतर अवसर प्रदान किया जा रहा है।उन्होने कहा कि सरकार पूर्व सैनिकों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, जिससे उन्हें रोजगार के साथ ही आर्थिक सहयोग मिल सके।

जाति और धर्म के नाम पर वोट देने से किसी का भला नहीं होनाः प्रशांत

डॉ. मंज़र नसीम द्वारा वक्फ भवन में भव्य इफ्तार पार्टी का किया गया आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

आप जिस उद्देश्य से वोट देंगे, वही मिलेगा। जब तक आप जाति और धर्म के नाम पर वोट देते रहेंगे, आपका भला नहीं होगा। यदि आप बच्चों की शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और बेरोजगारी उन्मूलन के लिए वोट देंगे तो यह निश्चित रूप से आपके लिए अच्छा होगा। उक्त बातें प्रशांत किशोर ने मोतिहारी में जन सुराज उद्घोष कार्यक्रम के दौरान कहीं। उन्होंने अपने सभी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर निशाना साधते हुए कहा कि एक को केवल अपने परिवार की चिंता है तो दूसरे को अपने राज्य का। सभी कंपनियां और सभी नौकरी के अवसर केवल गुजरातियों के लिए उपलब्ध है। श्री किशोर ने कहा कि छठ् पूजा के बाद नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। इससे पहले श्री किशोर का जिले के विभिन्न चौक चौराहों पर जन स्वराज कार्यकर्ताओं द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। चंपारण की अपनी यात्रा के दौरान श्री किशोर ने डॉ. मंजर नसीम द्वारा आयोजित इफ्तार पार्टी में भी भाग लिया। इस अवसर पर जन स्वराज एमएलसी श्री अफाक अहमद ने कहा कि बिहार में राजनीतिक शून्यता उत्पन्न हो रही है। ऐसे में बिहार की जनता प्रशांत किशोर की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। स्थानीय वक्फ भवन में आयोजित इफ्तार पार्टी के दौरान डॉ. मंजर नसीम ने कहा कि रमजान रहमत और बरकत का महीना है। इस महीने में लोगों को भूखा और प्यासा रखकर ईश्वर का उद्देश्य गरीबों और जरूरतमंदों के प्रति प्रेम और स्नेह पैदा करना है। ताकि गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की जरूरतें पूरी हो सकें। उन्होंने कहा कि मानवीय सेवा हमारा धार्मिक कर्तव्य है और हम मुसलमानों को मानवता के कल्याण के लिए आगे आना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व एमएलसी प्रो राम बाली चंद्रवंशी, जन स्वराज के प्रदेश सचिव तारिक अनवर चम्पारणी, सरवर अली, प्रदेश महासचिव जन स्वराज, सेवानिवृत्त आईएएस ललन यादव, संजय सिंह, अंजुमन इस्लामिया के महासचिव प्रो. अनवरुल हक, जिला परिषद सदस्य ई. तौसिफ़-उर-रहमान, सैयद मुबीन अहमद, सचिव जिला औकफ समिति ईस्ट चंपारन, पूर्व मुखिया फारूक आजम, सिकरहना आईटीआई के निदेशक अखलाक अहमद, डा. उमेश अख्तर, डा. समीर अहमद डा. मुज्तबा नवाज, डा. अखलाक अहमद, डा. अफसर जमील, डा. परवेज आलम, डा. आसिम एजाज, डा. जावेद सैफी, जिप सदस्य मोहम्मद साबिर, मो. मोअज्जम आदि मौजूद थे।

मोतिहारी में खुला कृषि क्लिनिक,प्रकृति जनित बीमारियों से होगी फसलों की रक्षा

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में किसानो के लिए बड़ी खुशखबरी है। किसानो को प्रकृति जनित बीमारियो से अपनी फसल को बचाने के लिए जिले में कृषि क्लिनिक की शुरूआत हुई है। मोतिहारी सदर प्रखंड क्षेत्र के बसवरिया में बिहार सरकार के कृषि विभाग ने अनुमंडलीय स्तरीय कृषि क्लिनिक की शुरुआत की है। जिसके माध्यम से वायु व जल प्रदूषण के साथ ही कीट पतंगो से फसलो में लगने वाली बीमारियों का सटीक इलाज मिलेगा। साथ ही इस क्लिनिक में फसल संरक्षण के साथ ही परंपरागत खेती से अलग नई आधुनिक खेती से जुड़ी कई अहम जानकारी भी किसानो को दी जायेगी। कृषि क्लिनिक का उद्घाटन सहायक निदेशक सुनील सिंह,प्रगतिशील किसान ललन शुक्ला और कृषि पदाधिकारी कमलदेव प्रसाद ने किया। कार्यक्रम के दौरान केविके व कृषि विभाग के वैज्ञानिक भी उपस्थित रहे। कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि खेती में समय का विशेष महत्व होता है। सही समय पर बुवाई और देखभाल से बेहतर पैदावार मिलती है। उन्होंने मिट्टी की जांच के महत्व पर भी जोर दिया, जिससे किसानों को फसल की सही उर्वरक मात्रा का अंदाजा हो सके। अब किसानों को मिट्टी की जांच के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, क्योंकि यह सुविधा इसी कृषि क्लिनिक में उपलब्ध होगी। इससे उनका समय और पैसा दोनों बचेंगे। कृषि क्लिनिक में किसानों को पेड़-पौधों की बीमारियों और उनके उपचार की जानकारी दी जाएगी। साथ ही खेती से जुड़ी हर समस्या का समाधान यहीं मिलेगा। इससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ेगी, बल्कि किसानों की आमदनी में भी वृद्धि होगी।

हरसिद्धि में आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड पेंट व हार्डवेयर दुकान का उद्घाटन

बीएनएम। हरसिद्धि

हरसिद्धि- छपवा मुख्य मार्ग के रामलाल सोनेलाल प्रोजेक्ट स्कुल उतर जनता बाजार परिसर में शुक्रवार को शोभा हार्डवेयर का उद्घाटन फीता काटकर बिहार सरकार के पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद कुशवाहा व भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य राजेंद्र प्रसाद गुप्ता एवं पूर्व राजद प्रत्याशी नागेंद्र कुमार राम ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ने बताया कि हरसिद्धि बाजार में पेंट और हार्डवेयर प्लंबर के लिए यह दुकान सबसे बेहतर होगा। कंप्यूटराइज मशीन के द्वारा सभी प्रकार के पेंट बनाए जाएंगे। इस युग में कंप्यूटर मशीन के माध्यम से जो पेंट बनाए जाते हैं सबसे अधिक टिकाऊ और मजबूत होते है। वही भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य राजेंद्र प्रसाद गुप्ता ने बताया कि हरसिद्धि एक उभरते व्यावसायिक क्षेत्र है जहां सभी प्रकार की दुकानों की आवश्यकता थी उसमें आज शोभा हार्डवेयर के व्यवस्थापक पत्रकार ब्रज किशोर कुशवाहा के द्वारा संचालित किया गया है, जो पेंट के लिए सबसे बेहतर होगा। मौके पर मुखिया संतोष कुशवाहा, दशरथ सिंह कुशवाहा, मुखिया वीरेंद्र कुमार, अवधेश प्रसाद कुशवाहा, मुखिया पति वेद प्रकाश कुशवाहा, भाजपा नेता देवेश कुमार सिंह, रवि विश्वकर्मा, मोहित कुमार सिंह, मुन्ना तिवारी, विकास कुमार गुप्ता आदि सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

होली को लेकर थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

बीएनएम। हरसिद्धि

होली को लेकर शांति व्यवस्था काम करने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं पुलिस पदाधिकारी के बीच एक बैठक का आयोजन किया गया, बैठक में थाना अध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि होली का पर्व आपसी भाईचारा का पर्व है, जिसमें सभी समुदाय के लोग मिलकर शांति व्यवस्था को कायम रखते हुए इस पर्व को मनाएंगे ,उन्होंने बताया कि होली मे जुलूस नहीं निकाले जाएंगे , डीजे का इस्तेमाल नहीं होगा, उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया कि कोई भी अप्रिय घटना होने की सूचना है तो उसकी सूचना तुरंत थाना के पदाधिकारी को दें, बैठक में मुखिया संतोष कुमार ,मुखिया वीरेंद्र कुमार, मुखिया भागीरथ कुशवाहा ,मुखिया दशरथ सिंह, कुशवाहा मुखिया अभिषेक कुमार , मुखिया राजकुमार राम, मुखिया राम जन्म राम, प्रमुख प्रतिनिधि मनोज कुमार,कस्तूरी खान ,सुरेंद्र सिंह ,सहित दर्जनों जनप्रतिनिधि उपस्थित थे ,

संक्षिप्त समाचार

एईएस को लेकर गैप असेसमेंट पूरा करने पर जोर

» स्वास्थ्य केंद्रों को किया जा रहा है अलर्ट

» प्रचार-प्रसार करने को लेकर की जा रही तैयारी

बीएनएम। मोतिहारी। जिले में एईएस के खतरों को लेकर स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट किया जा रहा है। स्वास्थ्य केंद्रों पर अंतर विभागीय तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। डीभीडीसीओ डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया कि जिले के सीएस ने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रा०स्वा० केन्द्र / सामु० स्वा० केन्द्र को एईएस /जेई के मरीजों के त्वरित उपचार एवं प्रबंधन हेतु एसओपी के अनुसार दवा एवं उपकरण आदि इंडेंट करने के संबंध में पत्र लिखा है। उन्होंने बताया कि अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के निर्देशानुसार एईएस /जेई के नियंत्राणार्थ आवश्यक दवाओं एवं उपकरणों की मांग डीवीडीएमएस पोर्टल पर करने सम्बन्धित निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि पूर्वी चम्पारण, जिला एईएस /जेई से विगत कई वर्षों से प्रभावित रहा हैं। इसलिए एईएस /जेई के संभावित उपचार एवं प्रबंधन हेतु वर्णित दवा एवं उपकरण की शत प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करना अति आवश्यक है। गर्मी के प्रकोप बढ़ते ही जिले में एईएस/जेई के मरीज प्रतिवेदित होने लगते है। अतः सभी स्वास्थ्य केंद्रों को निर्देशित है कि अपने-अपने संस्थान में एईएस /जेई वार्ड में गैप असेसमेंट कराते हुए सभी दवा एवं उपकरण आदि का इंडेंट कराना सुनिश्चित करें।इस बीच, घोड़ासहन स्वास्थ्य केंद्र जाकर प्रभारी डॉ आलोक कुमार से जिले के मलेरिया ऑफिस से भीडीसीओ कंसलटेंट सत्यनारायण उरांव, रविंद्र कुमार, राकेश कुमार मिले एवं जाँच, इलाज व्यवस्था की जानकारी ली। जिले के सिविल सर्जन डॉ रविभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि चमकी के नियंत्रणार्थ जिला पूरी तरह तैयार है। पीएचसी, सदर और रेफरल स्तर पर उपचार की व्यवस्था की गयी है। पीएचसी में जहां दो बेड के स्पेशल एईएस वार्ड, सदर में दस बेड के पीकू में तथा रेफरल के लिए एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर में व्यवस्था की गयी है। प्रचार- प्रसार के लिए आशा, आंगनबाड़ी तथा जीविका दीदीयों की भी मदद ली जा रही है। उन्होंने कहा कि चमकी से ग्रसित बच्चे को तुरंत अस्पताल पहुंचा जाए, अगर कोई व्यक्ति निजी वाहन से किसी भी सरकारी अस्पताल पहुंचता है तो उसे किलोमीटर की दर से तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पर ही भुगतान कर दिया जाएगा

जेडीयू नेता अवधेश राम जन सुराज में शामिल

बीएनएम। हरसिद्धि। जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता अवधेश राम ने गुरुवार को प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज का दामन थाम लिया है। अवधेश राम जेडीयू के पूर्व प्रदेश सचिव, पूर्व प्रदेश राजनीतिक सलाहकार और हरसिद्धि विधानसभा से राज्य परिषद के सदस्य रह चुके हैं। वे तुरकौलिया के पूर्व प्रखंड प्रमुख भी रहे हैं। संग्रामपुर के बाकरपुर मिडिल स्कूल के खेल मैदान में जन सुराज की जनसभा हुई। प्रशांत किशोर ने मंच पर अवधेश राम को फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया। अवधेश राम सैकड़ों समर्थकों के साथ सभा में पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर एक मजबूत और योग्य नेता हैं। उनके नेतृत्व में बिहार और देश सुरक्षित रहेगा। प्रशांत किशोर ने अपने संबोधन में कहा कि अवधेश राम जैसे जेडीयू के कद्दावर नेता का जन सुराज में आना साबित करता है कि उनकी पार्टी जन-जन तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि अवधेश राम के आने से जन सुराज और मजबूत होगा।

होली के लेकर थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

बीएनएम। हरसिद्धि। होली को लेकर शांति व्यवस्था काम करने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं पुलिस पदाधिकारी के बीच एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अंचलाधिकारी, थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि होली का पर्व आपसी भाईचारा का पर्व है, जिसमें सभी समुदाय के लोग मिलकर शांति व्यवस्था को कायम रखते हुए इस पर्व को मनाएंगे। उन्होंने बताया कि होली में अश्लील गाने नहीं बजेंगे, भीड -भाड़ जगह पर जुलूस नहीं निकल जाएंगे। डीजे का इस्तेमाल नहीं होगा, उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया कि कोई भी अप्रिय घटना होने की सूचना है तो उसकी सूचना तुरंत थाना के पदाधिकारी को दें। बैठक में मुखिया संतोष कुमार, मुखिया वीरेंद्र कुमार, मुखिया दशरथ सिंह कुशवाहा, मुखिया अभिषेक कुमार उर्फ रोहित सिंह, मुखिया राजकुमार राम, मुखिया रामजन्म राम, प्रमुख प्रतिनिधि मनोज कुमार, कस्तूरी खान, सुरेंद्र सिंह सहित दर्जनों जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

समाज को तब तक विकसित नहीं किया जा सकता, जब तक महिलाएं हर क्षेत्र में स्वतंत्र और सशक्त न हो जाएं। महिलाओं के अधिकारों, समानता और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए दुनियाभर के तमाम देश हर साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाते हैं। इस दिन को मनाने का उद्देश्य समाज में महिलाओं की भूमिका को स्वीकार करना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। महिला दिवस महज एक दिन का उत्सव नहीं है, बल्कि महिला सशक्तिकरण और समानता की दिशा में एक कदम है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवसः मेहनत, समर्पण और संघर्ष की हो तारीफ

बीएनएम। मोतिहारी। राकेश कुमार/ नीरज आंनद

हर साल 8 मार्च का दिन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुरुआत 20वीं शताब्दी से होती है, जहां साल 1908 में, न्यूयॉर्क में 15,000 महिलाओं ने अपने काम में सुधार, कम काम के घंटे और मतदान अधिकारों की मांग को लेकर एक बड़ा प्रदर्शन किया। इसके बाद, साल 1911 में पहली बार डेनमार्क, ऑस्ट्रिया, जर्मनी और स्विट्जरलैंड में महिला दिवस मनाया गया। इसके बाद साल 1975 में, यूएन ने आधिकारिक रूप से इसे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की घोषणा की, जिसके बाद से हर साल 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के मौके पर इस साल वुमन डे की थीम 'Accelerate Action' रखी गई है जिसका मतलब होता है 'कार्रवाई में तेजी'। यानीकि महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने और जागरुकता पैदा करने को लेकर अब कार्य की गति तेज करने की जरूरत है। महिला सशक्तिकरण और महिला अधिकारों को ध्यान में रखते हुए हर साल 8 मार्च को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आज पूरे विश्व में मनाया जा रहा है। इसको लेकर महिला संगठनों ने कई कार्यक्रम का आयोजन कर महिला-पुरुष समानता की बात कर रहे हैं साथ ही महिलाओं के सामाजिक और राजनितिक अधिकारों पर भी चर्चा छिड़ गयी है। ऐसे में "बॉर्डर न्यूज़ मिरर" (बीएनएम) ने महिलाओं के एक तबके से प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों व योगदान को याद कर लोगों तक पहुंचाना तथा लैंगिक समानता और महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में समाज के बीच जागरूकता बढ़ाना है। इस साल अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम "एक्सीलरेट एक्शन" रखी गई है। जिसका मतलब "तेजी से कार्य करना" है।

डॉ.मधुबाला मौर्या , सहायक प्राध्यापक , बी.एड विभाग , एलएनडी महाविद्यालय, ,मोतिहारी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाओं के साथ मैं एक ऐसे विश्व की कल्पना साकार होने की शुभेच्छा करती हूं जहां महिलाएं अपने संपूर्ण गौरव के साथ सम्मान पूर्वक जीवन के हर क्षेत्र में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर सके।

डॉ. सरिता तिवारी, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग,महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी बिहार।

"हमारे समाज में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दिया है। आज, हम यह संकल्प लें कि हम सभी मिलकर महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करेंगे और उन्हें उनके हक दिलाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।"

पूनम देवी, जिला अध्यक्ष, महिला राजद ,पूर्वी चम्पारण।

महिला दिवस के अवसर पर मैं सभी महिलाओं को सलाम करता हूँ। आपकी मेहनत, समर्पण और साहस समाज को नई दिशा देते हैं। आपका संघर्ष और आत्मविश्वास न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि समाज को सशक्त बनाता है। आप हर क्षेत्र में सफलता की मिसाल पेश करती हैं। महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

ममता राय , अध्यक्ष , जिला परिषद् पूर्वी चंपारण।

महिलाएँ सिर्फ घर की नहीं, बल्कि समाज, देश और दुनिया की भी रीढ़ हैं। वे माँ, बहन, बेटी, पत्नी और एक मजबूत इंसान के रूप में हर भूमिका बखूबी निभाती हैं। महिला दिवस पर हम संकल्प लें कि हर महिला को सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिले। नारी शक्ति को नमन, सशक्त समाज की ओर कदम।

मीना मिश्रा, जिलाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा, मोतिहारी।

महिला दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सम्मान देना हैं, समाज उनकी भूमिका को स्वीकार करें। उनके सामने आने वाली असमानता और चुनौती को सुलभ बनाये, उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने को उत्साहित करें, ताकि उनके क्षमता का उचित लाभ समाज को मिल सके।

बिंटी शर्मा सामाजिक कार्यकर्ता, मोतिहारी।

बच्चियों को जन्म का अधिकार मिलना चाहिए। बेटियों को शिक्षित करेंगे तभी वह जागरूक होंगी और समाज में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ पाएंगी। अपने घर में ही बेटा-बेटी में फर्क नहीं करके शुरुआत करनी होगी।

डॉ. हेना चंद्रा ,मोतिहारी।

नारी के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। बदलते युग के साथ नारियों का सम्मान होना चाहिए। नारी सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं बल्कि एक क्रांति है जो समाज में महिलाओं को समानता, स्वतंत्रता व आत्मनिर्भर बनाती है।

आभा कुमारी, जिला पार्षद, तुरकौलिया

महिलाओं पर होने वाली हिंसा को रोकने के लिए कठोर नियम होना चाहिए। साथ हीं महिला हिंसा में दोषी लोगों पर त्वरित न्याय संगत कार्रवाई होनी चाहिए। ताकि महिला हिंसा में कमी आ सके।

अदिती कुमारी, छात्रा, हरसिद्धि

वर्तमान समय में महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुष से दो कदम आगे हैं। महिलाएं आज अपनी पहचान की मोहताज नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

सुनीता कुमारी, गृहणी

आधुनिक युग में भी जन्म लेने के पहले ही बेटियों को कोख में मारने की परम्परा बंद होनी चाहिए। आज हमारी बेटियां भी हर क्षेत्र में बेहतर मुकाम हासिल कर रही है।

पुनम कुमारी यादव सामाजिक कार्यकर्ता ,मोतिहारी।

हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि हम महिलाओं का सम्मान करेंगे, उनके अधिकारों की रक्षा करेंगे। एक सशक्त नारी, एक सशक्त समाज की पहचान है।

किरण कुशवाहा, जिला पार्षद, मधुबन

महिलाओं के लिए एक समान व न्यायपूर्ण समाज बनाने के लिए करना होगा कामः मधुबाला

बीएनएम। मोतिहारी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को मनाया जाता है। यह दिवस महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए लड़ने वाली महिलाओं के संघर्ष को समर्पित है। महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं। वे हमारे परिवार, समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। लेकिन फिर भी, महिलाएं आज भी कई चुनौतियों का सामना करती हैं, जैसे कि लिंग भेदभाव, घरेलू हिंसा, शिक्षा और रोजगार के अवसरों में कमी। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस हमें महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ने और उनके सशक्तिकरण के लिए काम करने का अवसर प्रदान करता है। यह दिवस हमें महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने और उनके योगदान को पहचानने का मौका देता है। हमें महिलाओं के लिए एक समान और न्यायपूर्ण समाज बनाने के लिए काम करना चाहिए। हमें महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए काम करना चाहिए। हमें महिलाओं के खिलाफ हिंसा और भेदभाव को रोकने के लिए काम करना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हम महिलाओं के संघर्ष और उपलब्धियों को सलाम करते हैं। हम महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए लड़ने वाली महिलाओं को सलाम करते हैं। हम महिलाओं के लिए एक समान और न्यायपूर्ण समाज बनाने के लिए काम करने का संकल्प लेते हैं। महिला सशक्तिकरण के लिए हमें मिलकर काम करना होगा। हमें महिलाओं को उनके अधिकारों के लिए लड़ने में समर्थन देना होगा। हमें महिलाओं के लिए एक समान और न्यायपूर्ण समाज बनाने के लिए काम करना होगा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हम महिलाओं के संघर्ष और उपलब्धियों को सलाम करते हैं। हम महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए लड़ने वाली महिलाओं को सलाम करते हैं। हम महिलाओं के लिए एक समान और न्यायपूर्ण समाज बनाने के लिए काम करने का संकल्प लेते हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 March) के पूर्व संध्या पर बेटी बचाओ अभियान के बैनर अंतर्गत मोतिहारी के जिला परिषद सभागार मे सम्मान कार्यक्रम आयोजित की गई। जिसमे मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रमा देवी, मोतिहारी मेयर प्रीती गुप्ता जी, एसएसबी कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार सिंह, डॉ अतुल कुमार, संगीता चित्रांश, प्रदेश मंत्री बीजेपी, डा हिना चंद्रा, प्राचार्य शशिकला जी, प्राचार्य इलविन विनय और गीता सिंह ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

मुंशी ईनार पुल बना जानलेवा, पुल की चौड़ाई कम होने से हमेशा होती रहती है दुर्घटनाएं

» दुर्घटना में दो लोगों की जा चुकी है जान

आफताब आलम। बीएनएमः तुरकौलिया

कवलपुर-शंकर शरैया चौक मुख्यपथ में स्थित मुंशींइनार पुल जर्जर हो चुका है। जिससे राहगीरों के साथ स्थानीय लोग भी परेशान है। यह पुल करीब सन् 1972 में बना था। इस पुल की बनावट ऐसी है कि हमेशा दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है। राहगीर जान जोखिम में डालकर आते जाते है। पुल से होकर बड़ी गाड़िया बाईपास होकर मोतिहारी जाती है। दिनरात सबसे ज्यादा बड़ी गाड़िया ही गुरती है। ग्रामीण 73 वर्षीय शेख मंजूर ने बताया कि यह पुल अब ज्यादा दिन नहीं चलेगा। डीभाईडर नहीं होने के कारण यह पुल और भी खतरनाक बना हुआ है। साथ ही मुखिया अशरफ आलम, रमेश सिंह, धीरज कुमार, डॉ0 जमाल अशरफ, पूर्व जिला परिषद् राजेंद्र राम, मुन्ना राम, मुकेश कुमार, योगेन्द्र राम, शम्भु प्रसाद, संजीत कुमार शर्मा, मुन्ना सिंह, अनुज सिंह, सुजीत सिंह, पूर्व सरपंच नुरुल्लाह, पूर्व मुखिया गोपाल महतो, सरपंच राजकिशोर साह, शेख मुजम्मिल, नौशाद आलम, कैश आलम, डॉ0 पप्पू, मुन्ना आलम व पप्पू शर्मा ने बताया कि प्रतिदिन इसी पुल से विधायक, सांसद, मंत्री गुजरते है। लेकिन किसी को कोई खबर नहीं है। न ही इस जर्जर पुल को बनाने के लिए कोई आगे आया है। सभी लोगों का मांग है कि नए पुल का निर्माण हो। ताकि समय रहते हादसे को रोका जा सके। शादी समारोह से लौट रही स्कार्पियों नहर में गिरी थी। पुल के समीप हॉस्पिटल के डॉ0 जमाल अशरफ ने बताया कि इस पुल में गिरने से लगभग तीन दर्जन लोग से ज्यादा घायल हुए है। जिसका इलाज खुद डॉक्टर जमाल अशरफ ने किया है। मुखिया अशरफ आलम ने बताया कि करीब एक वर्ष पहले चकिया से कवलपुर शादी समारोह में आए स्कॉर्पियो गाड़ी वापस लौटने के क्रम में इसी पुल के अंदर दुर्घटना हुआ था। उस समय नहर में पानी नहीं था। दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत इलाज के दौरान हो गई थी। साथ ही मुखिया ने यह भी बताया कि वर्ष 2018 में मुंशी ईनार के नौशाद आलम के 13 वर्षीय पुत्र का पैर फिसलने के कारण पुल के अंदर डूब कर मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि जल्द से जल्द पुल नहीं बनता है तो इसके लिए हमलोग जिलाधिकारी को पत्र देंगे।

पुल की चौड़ाई कम होने से लगता है जाम- ग्रामीण प्रिंस कुमार, मो0 आलम, मुस्लिम आलम, हारून रशीद, शेख सैनुल्लाह आदि ने बताया कि पुल की चौड़ाई कम होने से घण्टों जाम लग जाता है। एक ट्रक गुजरता है तो 10 मिनट तक लंबा जाम लग जाता है। लोग इसी सड़क से शंकर सरैया चौक, मोतिहारी, कोटवा, जीवधार, पिपरकोठी होते हुए पटना, मुजफ्फरपुर जाती है। इसलिए यह पुल वाला रास्ता बहुत ही व्यस्थ रहता है। हजारों लोग रोजाना गुजरते है। जाम के कारण उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ता है। पुल का निर्माण तो हुआ लेकिन इससे फायदे से ज्यादा घटनाएं भी अधिक होती रहती है। बड़ी गाड़िया बिना रेलिंग में टकराया नही जा सकती।

छूटे हुए लोगों को आशा रेणुका बाला ने खिलाई सर्वजन दवा

बीएनएम। मोतिहारी

» गाँधी मैदान,डायट सेंटर, फुटपाथ दुकानदार मोतिझील के 1225 लोगों ने खाई सर्वजन दवा

» फाइलेरिया बीमारी से बचाव का एक सफल प्रयास- मॉप अप राउंड

शहर के गाँधी मैदान,डायट सेंटर, फुटपाथ दुकानदार, मोतीझील के 1225 लोगों ने सर्वजन दवा खाई। मॉप अप राउंड के दौरान छूटे हुए लोगों को फाइलेरिया बीमारी से बचाव का एक सफल प्रयास करते हुए "आशा रेणुका बाला" ने खिलाई सर्वजन दवा। आशा ने बताया की आज गाँधी मैदान में शौर्य वेदनाम कार्यक्रम में हजारों लोग इकट्ठा है यह मेरे लिए एक अवसर है की मैं इस मौके का उपयोग करते हुए शहरवासियों को सर्वजन दवा का सेवन कराकर सुरक्षित कर रहीं हूँ, रेणुका बाला ने कहा की पिछले साल भी घूमघूमकर 13 हजार से ज्यादा लोगों को दवा सेवन कराई जिनमें कुछ ऐसे भी लोग थें जिनमे दवा सेवन के बाद उल्टी, बुखार जैसी हल्की समस्या हुई, जिसके बाद ओआरएस घोल देने के बाद सभी ठीक हो गए। अब वे लोग ही कहते है की इस बार भी मुझे दवा खिलाए, आज मैंने फाइलेरिया मरीज के साथ ही 600 से ज्यादा लोगों को दवा खिलाई हुँ। मैं नहीं चाहती की हाथी पाँव जैसे गंभीर बीमारी का मेरे शहर के निवासी शिकार हो,, इसलिए राउंड समाप्त होने के बाद भी यूपीएचसी छतौनी के नोडल पदाधिकारी सह प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शिवम कुमार के आदेशानुसार दवा का सेवन करा रहीं हुँ।पंचमंदिर तेलियापट्टी चौक की 60 वर्षीय फाइलेरिया मरीज सीता देवी को दवा खिलाया गया।फुटपाथ दुकानदार संघ के कोषाध्यक्ष राजा जायसवाल ने दवा खाकर दुकानदार लोगों को दवा सेवन हेतु प्रेरित किया। दवा सेवन कार्यक्रम में पिरामल के सुमित कुमार, विकास कुमार वर्मा का भी योगदान रहा।

फाइलेरिया होने पर इलाज सम्भव नहीं, अतः दवा सेवन जरूरीः- डीभीडीसीओ शरत चंद्र शर्मा धर्मेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए कहा की व्यक्ति को एक बार (हाथीपांव) फाइलेरिया होने पर इसका इलाज सम्भव नहीं, अतः जब सरकार सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम चलाए तो दवा का सेवन अवश्य करें हाथीपांव से बचाव को इसका सेवन जरूरी है।वहीं भीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार ने बताया की मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फाइलेरिया होता है जिसके लक्षण शुरू में स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देते। इसके लक्षण आने में कभी कभी सालों लग जाते है। प्रायः फाइलेरिया मरीजों में बुखार, बदन में खुजली व सूजन की समस्या दिखाई देती है। इसके अलावा पैरों और हाथों में सूजन, हाथीपांव और अंडकोषों की सूजन, फाइलेरिया के लक्षण हैं। फाइलेरिया हो जाने के बाद धीरे-धीरे यह गंभीर रूप लेने लगता है। इससे बचाव के लिए विभाग द्वारा सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम संचालित किया जाता है। जिसमें डीईसी एवं एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाती है।

सेबी की मिलीभगत

शेयर धोखाधड़ी के मामले में पूर्व सेबी प्रमुख माधबी बुच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश विशेष अदालत ने दिया है। अदालत ने इसे प्रथम दृष्टि नियामक चूक व मिलीभगत का सबूत माना और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता बताई। याचिका में बुच के अतिरिक्त पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी लिस्टिंग में अनियमितताओं का दावा किया गया है। नियामक प्राधीकरणों, खासकर सेबी की मिलीभगत से कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज में धोखाधड़ी से सूचीबद्ध करने को कॉरपोरेट धोखाधड़ी बताया है। सेबी की पहली महिला प्रमुख बुच को अमेरिका स्थित शॉर्ट-सेलर हिंडेनबर्ग द्वारा हितों के टकराव के आरोप लगाए गए थे। बुच दंपति पर फंड संरचनाओं का हिस्सा रही संस्थाओं में निवेश का भी आरोप है, जिसमें अडानी समूह द्वारा भी निवेश किया गया था। बुच का कहना था, यह निवेश उनके नियामक में शामिल होने से पहले किया गया था। हालांकि सेबी ने इस आदेश को चुनौती देने के लिए उचित कदम उठाने की बात की है। साथ ही बुच का समर्थन करते हुए याचिकाकर्ता को तुच्छ व आदतन मुकदमाकर्ता ठहराया। इस दरम्यान स्वयं हिंडनबर्ग अपना कारोबार बंद करने की घोषणा भी कर चुकी है। बुच द्वारा तमाम सराहनीय सकारात्मक कदम उठाये जाने के बावजूद उनके तीन साल के कार्यकाल के दरम्यान कर्मचारियों में जबरदस्त रोष भी नजर आया। खुदरा निवेशकों को बाजार की तरफ आकर्षित करने में सफल रही बुच ने निवेश सलाहकारों के लिए नियमों को आसान बनाने व राइट्स इश्यू को तेजी देने सरीखा काम कर दिखाया। इसके बावजूद उन पर लगे आरोपों की अनदेखी नहीं की जा सकती। विपक्षी दलों के भारी विरोध के बावजूद सरकार ने न सिर्फ पक्षपाती रवैया बनाये रखा बल्कि चिकने घड़े की तरह आरोपों को झाड़ती रही। यूं भी मोदी सरकार का काम करने का रवैया ऐसा है, जो अपने चहेते अधिकारियों के बचाव को लेकर अडियलपन दिखाने में कोई लिहाज नहीं करती। बेशक सरकार को जांच का आसन देते हुए नियामक प्राधीकरणों की गरिमा बनाए रखने के प्रति गंभीर नजर चाहिए। अदालती कार्रवाई का सामना करके बुच को अपना पक्ष रखना चाहिए।

नारी है स्नेह का स्रोत और मांगल्य का महामंदिर

ललित गर्ग

(अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस - 8 मार्च, 2025)

महिलाओं की भागीदारी को हर क्षेत्र में बढ़ावा देने और महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि महिलाओं के संघर्ष और उनके हक की लड़ाई की कहानी बयां करता है। इस वर्ष की थीम "एक्सीलरेट एक्शन" यानी 'कार्रवाई में तेजी लाना' और "तेजी से कार्य करना" रखी है। यह थीम हमें बताती है कि महिलाओं को अपने ऊपर बहुत मेहनत और तेजी से काम करने की जरूरत हैं। यह लोगों, सरकारों और संगठनों को महिलाओं के उत्थान, समान अवसर प्रदान करने और भेदभाव समाप्त करने की दिशा में सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है। इस दिवस का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित करना और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता फैलाना भी है। यह दिन महिलाओं के सशक्तिकरण, समाज, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और राजनीति में उनके योगदान को पहचान दिलाने के साथ-साथ उनके अधिकारों और अवसरों की वकालत करता है। परिवार, समाज, देश एवं दुनिया के विकास में जितना योगदान पुरुषों का है, उतना ही महिलाओं का है। नया भारत-सशक्त भारत-विकसित के निर्माण की प्रक्रिया में महिलाएं घर परिवार की चार दीवारों को पार करके राष्ट्र निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दे रही हैं। दिल्ली एवं पश्चिम बंगाल में महिला मुख्यमंत्री हो या केन्द्र में वित्तमंत्री, खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं कां विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये। बीसवीं सदी की शुरुआत में महिलाओं ने अपने अधिकारों और बेहतर कार्य स्थितियों की मांग शुरू की थी। 1908 में न्यूयॉर्क में पन्द्रह हजार महिलाओं ने उचित वेतन और मतदान अधिकारों की मांग करते हुए मार्च निकाला। 1909 में अमेरिका ने पहली बार "राष्ट्रीय महिला दिवस" मनाया। 1910 में, जर्मन कार्यकर्ता क्लारा जेटकिन ने इसे एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन बनाने का सुझाव दिया। 1911 में कई देशों में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। 1917 में, रूस की महिलाओं ने हड़ताल कर बेहतर परिस्थितियों की मांग की, जिससे 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मान्यता मिली। संयुक्त राष्ट्र ने 1975 में इसे औपचारिक रूप से मान्यता दी, जिससे यह एक महत्वपूर्ण वैश्विक आयोजन बन गया। यह दिवस केवल जश्न का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी दिन है। यह हमें याद दिलाता है कि जब तक लैंगिक समानता पूरी तरह हासिल नहीं होती, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। महिलाओं से जुड़े मामलों जैसे महिलाओं की स्थिति, कन्या भूरण हत्या की बढ़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, गांवों में महिला की अशिक्षा एवं शोषण, महिलाओं की सुरक्षा, महिलाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराध को एक बार फिर चर्चा में लाकर यह दिवस एक सार्थक वातावरण का निर्माण करने की आवश्यकता को व्यक्त करता है। जन-चेतना के एक टीस से मन में उठती है कि आखिर नारी कब तक भोग की वस्तु बनी

रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा? विडम्बनापूर्ण तो यह है कि महिला दिवस जैसे आयोजन भी नारी को उचित सम्मान एवं गौरव दिलाने की बजाय उनका दुरुपयोग करने के माध्यम बनते जा रहे हैं। शताब्दियों से चली आ रही अर्थहीन परम्पराओं और आत्महीनता के मनोभावों को निरस्त करने के लिए प्रतिरोधात्मक चेतना का विकास करना नितांत अपेक्षित है। नारी केवल एक शब्द नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि का आधार है। वह जीवनदायिनी है, प्रेम की मूर्ति और रिश्ते संवारने वाली शक्ति है। भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, ममता, और त्याग का स्वरूप माना गया है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, फिर भी कई चुनौतियां उनके सामने खड़ी हैं। समाज में आज भी घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव, शिक्षा में असमानता, दहेज प्रथा, बाल विवाह जैसी बुराइयां मौजूद हैं। अगर हम किसी समाज को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें महिलाओं को सशक्त बनाना होगा। महिला सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं को उनके अधिकार, शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्रता देना ताकि वे अपने जीवन को अपनी शर्तों पर जी सकें। जब तक स्त्री की अन्याय के प्रति विद्रोही चेतना का जागरण नहीं होता, वह अपने अस्तित्व को सही रूप में नहीं समझ सकती। उसे अपने परम्परागत महत्व एवं शक्ति को समझना होगा, वैदिक परंपरा दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी के रूप में, बौद्ध अनुयायी चिरंतन शक्ति प्रज्ञा के रूप में और जैन धर्म में श्रुतदेवी और शासनदेवी के रूप में नारी की आराधना होती रही है। लोक मान्यता के अनुसार मातृ वंदना से व्यक्ति को आयु, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुण्य, बल, लक्ष्मी पशुधन, सुख, धनधान्य आदि प्राप्त होता है, फिर क्यों नारी की अवमानना होती है? नारी धरती की धुरा है। स्नेह का स्रोत है। मांगल्य का महामंदिर है। परिवार की पीढ़िका है। पवित्रता का पैगाम है। उसके स्नेहिल साए में जिस सुरक्षा, शीतलता और शांति की अनुभूति होती है वह हिमालय की हिमशिलाओं पर भी नहीं होती। नारी जाति के अलंकरण हैं-सादगी और सात्विकता। सत्यं, शिवं सुंदरं की समन्विति कृत्रिम संसाधनों से नहीं, अनंत स्तेज को निखारने से हो सकती है। सुप्रसिद्ध कवयित्रि महादेवी वर्मा ने ठीक कहा था-'नारी सत्यं, शिवं और सुंदर का प्रतीक है। उसमें नारी का रूप ही सत्य, वात्सल्य ही शिव और ममता ही सुंदर है। इन विलक्षणताओं और आदर्श गुणों को धारण करने वाली नारी फिर क्यों बार-बार छली जाती है, लूटी जाती है? महिलाओं के युग बनते बिगड़ते रहे हैं। कभी उनको विकास की खुली दिशाओं में पूरे वेग के साथ बढ़ने के अवसर मिले हैं तो कभी उनके एक-एक कदम को संदेह के नागों ने रोका है। कभी उन्हें पूरी सामाजिक प्रतिष्ठा मिली है तो कभी वे समाज के हाशिये पर खड़ी होकर स्त्री होने की विवशता को भोगती रही है। कभी वे परिवार के केंद्र में रहकर समग्र परिवार का संचालन करती हैं तो कभी अपने ही परिवार में उपेक्षित और प्रताड़ित होकर निष्क्रिय बन जाती है। इन विसंगतियों में संगति बिठाने के लिए महिलाओं को एक निश्चित लक्ष्य की दिशा में प्रस्थान करना होगा। बदलते परिवेश में आधुनिक महिलाएं मैथिलीशरण गुप्त के इस वाक्य-"आँचल में है दूध" को सदा याद रखें। उसकी लाज को बचाएँ रखें। एक ऐसा सेतु बने जो टूटते हुए को जोड़ सके, रुकते हुए को मोड़ सके और गिरते हुए को उठा सके। नन्हे उगते अंकुरों और पौधों में आदर्श जीवनशैली का अभिसिंचन दें ताकि वे शतशाखी वृक्ष बनकर अपनी उपयोगिता साबित कर सकें। 'यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता'- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। कानून का संरक्षण नहीं मिलने से औरत संघर्ष के अंतिम छोर पर लड़ाई हारती रही है। इसीलिये आज की औरत को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए। पूरे पृष्ठ, जितने पुरुषों को प्राप्त हैं। प्राचीन काल में भारतीय नारी को विशिष्ट सम्मान दिया जाता था। सीता, सती-सावित्री आदि अगणित भारतीय नारियों ने अपना विशिष्ट स्थान सिद्ध किया है।

सूडोकु नवताल- 7363

कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7362 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

नारी सशक्तिकरण से ही राष्ट्र सशक्त होगा

संपतिया उइके

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कहा कि नारी सशक्तिकरण ही वास्तविक राष्ट्र सशक्तिकरण की आधारशिला है। जब महिलाएँ आत्मनिर्भर होंगी, तो समाज और देश की प्रगति स्वतः सुनिश्चित होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिलाओं, विशेष रूप से जनजातीय और अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं के उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं को प्रभावी कदम बताया। मंत्री उइके ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र की उन्नति का मूल आधार भी है। महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने व्यापक नीतिगत पहल की हैं, जिनका सीधा लाभ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलाओं को मिल रहा है। प्रधानमंत्री वन धन योजना जनजातीय महिलाओं को स्वरोजगार और लघु उद्यमों से जोडने का महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे वे अपने पारंपरिक ज्ञान और कौशल का उपयोग कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। आदिवासी छात्रवृत्ति योजना और एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय जनजातीय समाज की बेटियों को गुणवत्तापूर्ण और उच्च अध्ययन के अवसर प्रदान कर रहे हैं। स्टैंड अप इंडिया योजना के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए विशेष आर्थिक सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गर्भवती और धात्री महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान कर स्वस्थ मातृत्व और पोषण को प्रोत्साहित कर रही है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के माध्यम से विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों में बालिका शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। मंत्री संपतिया उइके ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण को नीति-निर्माण की केंद्रीय धुरी बना रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना प्रदेश की 1.29 करोड़ महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करने की ऐतिहासिक पहल है। इस योजना के माध्यम

से महिलाओं को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे वे परिवार के आर्थिक निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं। मुख्यमंत्री आदिवासी महिला उद्यमिता योजना जनजातीय महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने के लिये अनुदान और ऋण सहायता उपलब्ध करा रही है। हर घर नल जल योजना ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं को पेयजल आपूर्ति की कठिनाइयों से राहत दे रही है, जिससे उनका श्रम और समय बच रहा है और वे शिक्षा, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों में अधिक भागीदारी कर पा रही हैं। पेसा अधिनियम जनजातीय महिलाओं को ग्राम सभाओं में सशक्त भूमिका प्रदान करने के लिए प्रभावी कानून है, जिससे वे स्वतंत्र निर्णय ले रही हैं और समुदाय के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। मंत्री उइके ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल सरकारी योजनाओं से ही संभव नहीं है, बल्कि इसमें समाज की भागीदारी भी आवश्यक है। सरकार स्वरोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और वित्तीय सहायता के माध्यम से जनजातीय और अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को सशक्त बना रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में महिला सशक्तिकरण को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। जब हर नारी सशक्त होगी, तभी राष्ट्र सशक्त होगा और यही हमारा संकल्प है।

मेष राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आप अपने निजी जीवन में चली आ रही समस्याओं का समाधान निकालने में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। कार्यक्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। सरकारी नौकरी के लिए प्रयास कर रहे हैं लोगों को नए अवसर मिलने की संभावना है। आज समाज में आपका रुतबा बढ़ेगा। आपका अनुभव प्रतिष्ठा का कारण बनेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन खास रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। ऑफिस में काम बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे, लेकिन आप कार्यक्षेत्र और घर के बीच अच्छी तरह तालमेल बनाकर रखेंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। संतान को लेकर उलझनें दूर होगी। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आप लोगों की मदद करने के लिए समय निकालेंगे। आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी, बिजनेस को बढाने के लिए बेहतर फैसले लेंगे। साथ ही व्यापार के विकास में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह भी लेंगे। आज आपकी सभी योजनाएं सफल होंगी। आपके लिए आमदनी के योग बनेंगे। संतान को लेकर अच्छे परिणाम मिलेंगे।

कर्क राशि : आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। आपको आज अच्छी खुशखबरी मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा समाप्त होगी, नई पोस्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। आप पूरी सावधानी से काम करेंगे। आज आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी, आप भी इसका भरपूर फायदा उठाएंगे। किसी कार्य योजना के कारण आपको यात्रा करनी पड़ेंगी।

सिंह राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा। आज आज आप ऑनलाइन नया काम शुरू करेंगे, जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आप दूसरों की मदद करने की हर संभव कोशिश करेंगे। आपकी किसी परिवारिक समस्या का निवारण होने से आपको बहुत सुकून मिलेगा।

कन्या राशि : आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने के संभावना है, जिससे आपका बैंक बैलेंस मजबूत होगा। संतान की ओर से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। नौकरी में सफलता के योग हैं। आज आपकी सैलरी में बढ़ोतरी होगी। जमीन जायदाद के मामलों में कुछ समस्या आएगी, लेकिन कोर्ट कचहरी में आपको सफलता मिलेगी। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

तुला राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। रिश्तेदारों के साथ किसी धार्मिक स्थल पर घूमने जायेंगे, आपकी यात्रा सुखद रहेगी। पारिवारिक रिश्तो में आपसी प्रेम बढ़ेगा। किसी कोर्ट केस का फैसला आज आपके पक्ष में आयेगा, इससे आप खुद को रिलैक्स फील करेंगे। नौकरी में प्रमोशन के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे, इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आपकी सैलरी में वृद्धि होगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा।

धनु राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपकी कुछ नये लोगों से मुलाकात होगी। आपके निजी प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। आपके लिए अचानक धन लाभ के स्त्रोत खुलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके काम को देखते हुए अच्छी पदोन्नति मिलेगी।

मकर राशि : आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आपको अपनी नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। कार्यस्थल पर विरोधी कुछ मुश्किलें खड़ी करेंगे, लेकिन आप अपने काम पर फोकस करेंगे। आपकी एकाग्रता आपको सफलता दिलाएगी। आपकी बचत योजनाएं कामयाब रहेंगी।

कुंभ राशि : आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ खरीदारी करने में व्यस्त रहेंगे।

मीन राशि : आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। आज व्यापार में अचानक धन लाभ होने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज शत्रु पक्ष आपको परेशान करने की नाकाम कोशिश कर सकता है। प्रशासनिक पद पर कार्यरत लोगों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। शिक्षकों का ट्रांसफर उनके मन पसंद जगह पर होगा।

भारत का तकनीकी पुनर्जागरणः विकसित भारत की यात्रा को गति

अश्विनी वैष्णव

महाराष्ट्र के बारामती में एक छोटा किसान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के साथ कृषि के नियमों को फिर से निर्धारित करने में जुटा है। यह बात अपने-आप में अद्वितीय है। हम उर्वरक के इस्तेमाल में कमी, जल संसाधन के बेहतर इस्तेमाल से अधिक उपज के बारे में बात करते हैं, जो एआई समर्थित है। यह भारत की एआई-संचालित क्रांति की एक झलक मात्र है। तकनीक और नवाचार अब प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन को बखूबी बदल रहे हैं। कई अर्थों में इस किसान की कहानी एक बहुत बड़े परिवर्तन का सूक्ष्म रूप है। यह सूक्ष्म रूप 2047 तक विकसित भारत की ओर हमारे प्रस्थान का है।

डिजिटल नियति का निर्धारण- भारत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई), एआई, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पर जोर देकर अपने डिजिटल भविष्य को आकार दे रहा है। दशकों से, भारत सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी रहा है, किंतु अब यह हार्डवेयर विनिर्माण में भी बड़ी प्रगति कर रहा है। पांच सेमीकंडक्टर संयंत्र निर्माणाधीन हैं, जो वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भारत की भूमिका को मजबूत करते हैं। आज इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद हमारे शीर्ष तीन निर्यातों में शुमार हैं और जल्द ही हम एक प्रमुख मील के पत्थर यानी इस साल भारत की पहली "मेक इन इंडिया" चिप के लॉन्च तक पहुंच जाएंगे।

एआई का निर्माणः कंप्यूट, डेटा और इनोवेशन- सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इसकी रीढ़ हैं, जबकि डीपीआई भारत की तकनीकी क्रांति को आगे बढ़ाने वाली प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करता है। भारत अपने तरह की एक एआई संरचना के माध्यम से इसे सभी के लिए सुलभ बनाकर एआई का लोकतंत्रीकरण कर रहा है। इस संबंध में एक प्रमुख पहल 18,000 से अधिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) के साथ भारत की कॉमन कंप्यूट सुविधा है। 100 रुपए प्रति घंटे से कम की रियायती लागत पर उपलब्ध, यह पहल सुनिश्चित करेगी कि अत्याधुनिक अनुसंधानकर्ताओं, स्टार्टअप, शिक्षाविदों और अन्य हितधारकों के लिए सुलभ हो। यह पहल मूलभूत मॉडल और अनुप्रयोगों सहित एआई -आधारित प्रणालियों को विकसित करने के लिए जीपीयू तक आसान पहुंच को सक्षम करेगी। भारत विविध और उच्च-गुणवत्ता वाले डेटा पर एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर गैर-व्यक्तिगत अनाम डेटासेट भी विकसित कर रहा है। यह पहल पूर्वाग्रहों को कम करने और सटीकता में सुधार करने में मदद करेगी, जिससे एआई सिस्टम अधिक विश्वसनीय और समावेशी बनेंगे। ये डेटासेट कृषि, मौसम पूर्वानुमान और यातायात प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में एआई-संचालित समाधानों को शक्ति प्रदान करेंगे। सरकार भारत के अपने आधारभूत मॉडलों के विकास में सहायता कर रही है, जिसमें बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) और भारतीय आवश्यकताओं के अनुरूप समस्या-विशिष्ट एआई समाधान शामिल हैं। एआई से जुड़े अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए, कई उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किए गए हैं।

भारत का डीपीआई, डिजिटल नवाचार की रूपरेखा- डीपीआई में भारत के अग्रणी कार्य ने वैश्विक डिजिटल परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया है। कॉर्पोरेट या राज्य-नियंत्रित मॉडल के विपरीत, भारत का सरल सार्वजनिक-निजी दृष्टिकोण का आधार, यूपीआई और डिजीलॉकर जैसे प्लेटफ़ॉर्म बनाने के लिए सार्वजनिक धन का उपयोग करता है। निजी क्षेत्र के दिग्गज डीपीआई के शीर्ष पर उपयोगकर्ता के अनुकूल, एप्लिकेशन-विशिष्ट समाधान बनाते हैं और नवाचार प्रस्तुत करते हैं। इस मॉडल को अब एआई के साथ सुपरचार्ज किया जा रहा है, क्योंकि यूपीआई और डिजीलॉकर जैसे वित्तीय और शासन प्लेटफॉर्म बुद्धिमान समाधानों को एकीकृत करते हैं। भारत की डीपीआई संरचना में वैश्विक रुचि जी20 शिखर सम्मेलन में स्पष्ट थी, जहां विभिन्न देशों ने मॉडल को दोहराने की इच्छा व्यक्त की थी। जापान ने भारत की यूपीआई भुगतान प्रणाली को पेटेंट प्रदान किया है, जो इसकी व्यापकता का प्रमाण है।

महाकुंभ, परंपरा और तकनीक का संगम- भारत ने महाकुंभ 2025 के निर्बाध संचालन के लिए अपने डीपीआई और एआई-संचालित प्रबंधन का लाभ उठाया, जो अब तक का सबसे बड़ा मानव समागम है। एआई -संचालित उपकरणों ने प्रयागराज में रेलवे स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए तत्क्षण रेलवे यात्रियों की आवाजाही की निगरानी की।भाषिणी, कुंभ सहायक चैटबॉट में एकीकृत, सभी के लिए आवाज आधारित खोया और पाया सुविधा, तत्क्षण अनुवाद और बहुभाषी सहायता सक्षम करती है। भारतीय रेल और उत्तर प्रदेश पुलिस जैसे विभिन्न विभागों के साथ इसके सहयोग ने समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए संचार प्रणाली को सुव्यवस्थित किया। डीपीआई का लाभ उठाकर, महाकुंभ 2025 ने तकनीक-सक्षम प्रबंधन के लिए एक वैश्विक मानदंड स्थापित किया है, जो इसे अधिक समावेशी, कुशल और सुरक्षित बनाता है।

भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण- भारत का कार्यबल इसकी डिजिटल क्रांति के केंद्र में है। देश हर हफ्ते एक वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) जोड़ रहा है, जो वैश्विक आरएंडआई और तकनीकी विकास के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है। हालांकि, इस वृद्धि को बनाए रखने के लिए शिक्षा और कौशल विकास में निरंतर निवेश की आवश्यकता होगी। सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुसार, एआई, 5जी और सेमीकंडक्टर डिजाइन को शामिल करने के लिए विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में बदलाव करके इस चुनौती का समाधान कर रही है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि स्नातक रोजगार के लिए तैयार कौशल के साथ कार्यबल में प्रवेश करें, जिससे शिक्षा और रोजगार के बीच का फासला कम हो।

एआई को विनियमित करने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण- भारत भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण कर रहा है। इसकी एआई नियामक संरचना को उत्तरदायी तैनाती सुनिश्चित करते हुए नवाचार को बढ़ावा देना चाहिए। 'कठोर नियामक संरचना के प्रतिकूल, जो नवाचार को दबाने का जोखिम उठाता है, या 'बाजार संचालित शासन, जो अक्सर कुछ लोगों के हाथों में शक्ति केंद्रित करता है, भारत एक व्यावहारिक, तकनीकी-कानूनी दृष्टिकोण का पालन कर रहा है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

विराट इस कारण बना लेते हैं बड़ा स्कोर

दुबई। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के फार्म पर चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले सवाल उठाये जा रहे थे पर विराट ने टूर्नामेंट शुरु होते ही अपने आलोचकों को करारा जवाव दे दिया है। विराट इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ हुए अहम मुकाबले में शतक लगाय जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 84 रन की पारी खेलकर भारतीय टीम को जीत दिलायी। विराट पिछले एक दशक के ज्यादा के समय से टीम के लिए मैच विजेता पारियां खेलते आ रहे हैं हालांकि वह अपनी पारी में चौके-छक्के नहीं लगाते। इसके बाद भी वह बड़ा स्कोर बना लेते हैं। इसका कारण उनकी स्ट्राइक रोटेट करने की क्षमताएं हैं। वह पिच पर उतरते ही एक या दो रन लेना शुरू कर देते हैं। स्ट्राइक रोटेट करते रहते हैं जिससे स्कोरबोर्ड आगे बढ़ता रहता है। यही कारण है कि वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान विरोधी टीम पर दबाव बना देते हैं। विराट की सफलता के पीछे उनकी स्ट्राइक रोटेट करने की क्षमता भी है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि विराट ने पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान कोच गौतम गंभीर से ज्यादा एक सा दो रन अपनी पारियों में लिए हैं। गंभीर ने 147 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में कुल 5238 रन बनाए हैं। वहीं साल 2000 से अभी तक एकदिवसीय में एक-एक रन लेने के मामले में विराट के सामने कोई नहीं टिका है। विराट ने दौड़कर कुल 5868 रन लिए हैं। इससे उनकी फिटनेस का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंनें ये साबित किया है कि अधिक बाउंड्री लगाए बगैर भी मैच जीता जा सकता है। विराट से अधिक सिंगल रन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में केवल इयोन मॉर्गन (6957) और जो रूट ने (6859) ही लिए हैं।

रोहित को लंबी पारी खेलने पावर प्ले में अपना रवैया बदलना होगा : गावस्कर

दुबई। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा चैम्पियंस ट्रॉफी में अब तक बड़ स्कोर नहीं बना पाये हैं। ऐसे में पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि रोहित को पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाज की जगह पर लंबी पारी खेलनी चाहिये। वहीं कोच गौतम गंभीर ने रोहित के आक्रामक रवैये का बचाव किया है। गंभीर ने कहा कि हम औसत या रन नहीं देखते, बल्कि इंटेंट देखते हैं जबकि गावस्कर का मानना है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में है और हर किसी को रोहित से एक बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। गंभीर ने सेमीफाइनल के बाद कहा था कि ड्रेसिंग रूम रोहित को आंकड़ों के आधार पर नहीं, बल्कि शीर्ष पर अपनी धमाकेदार शुरुआत से पैदा होने वाले इम्पैक्ट के आधार पर आंकता है। दूसरी ओर गावस्कर ने कहा कि रोहित को अपने रवैये पर फिर विचार करना चाहिए, उन्होंने कहा कि कप्तान के पास अकेले ही मैच को प्रभावित करने की क्षमता है। ऐसे में अगर वह 20 से 25 ओवर तक बल्लेबाजी करते हैं तो अकेले ही मैच बदल सकते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी के 4 मैचों में 104 रन 100 के आसपास के स्ट्राइक रेट से बनाने वाले रोहित ने अब तक इस टूर्नामेंट में एक बार 41 रन बनाये हैं अन्य मैचों में उनका स्कोर और कम है। हालांकि, एक बात जरूर है कि वे जिस मैच में तेज शुरुआत देते हैं, उसका लाभ मध्य क्रम को मिलता है। भारतीय टीम को रोहित के इस आक्रामक रवैये का लाभ विश्व कप कप 2023 और टी20 विश्व कप 2024 में मिला। ये लगातार तीसरा टूर्नामेंट है, जहां वे आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं। गावस्कर ने कहा, पिछले दो सालों से वह इसी दृष्टिकोण को अपना रहे हैं। इसकी शुरुआत भारत में विश्व कप के दौरान हुई थी और वह इसी फॉर्मूले पर टिके हुए हैं। उन्हें कुछ सफलता मिली है, हालांकि शायद उतनी नहीं जितनी उनकी प्रतिभा को मिलनी चाहिए। वह एक अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जिनके पास ऐसे शॉट हैं जो खेल में बहुत कम लोगों के पास हैं। उन्होंने आगे कहा, इसे दर्शकों को खुश करने के दृष्टिकोण से देखिए। मैं टीम के दृष्टिकोण से नहीं बोल रहा हूं। अगर वह 25 ओवर भी बल्लेबाजी करते हैं, तो भारत 180-200 के आसपास होगा। कल्पना करें कि अगर उन्होंने तब तक बल्लेबाजी की और केवल दो विकेट खोए हैं; जरा सोचें कि वे क्या कर सकते हैं। वे 350 या उससे अधिक तक पहुंच सकते हैं।

आईसीसी नॉकआउट मुकाबलों में भारतीय टीम पर भारी पड़ी है न्यूजीलैंड

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में , न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। इस मैच में भारतीय टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इसका कारण है कि भारतीय टीम अभी तक इस टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारी है। उसने लीग स्तर के मुकाबले में कीवी टीम को हराया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। वहीं अगर आंकड़ों पर नजर डाले तो कीव टीम का पलड़ा भारी है। इसका कारण है कि आज तक तीन बार दोनो टीमों के बीच नॉकआउट मुकाबला हुआ है जिसमें तीनो ही बार न्यूजीलैंड, जीती है। दोने के बीच अब तक आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी, एकदिवसीय विश्व कप 2019 सेमीफाइनल और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2019-2021 फाइनल में टक्कर हुई है। इसमें हर बार भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। इस बार हालांकि हालात भारतीय टीम के पक्ष में दिख रहे हैं क्योंक उसने अब तक खेल के सभी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम लगातार दुबई में खेलने से हालातों क अनुसार ढ़ल गयी है। वहीं कीवी टीम ने अबतक अपने मुकाबले पाकिस्तान में खेले हैं। दोनो ही टीमें सबसे पहले आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी 2000 के फाइनल में भिड़ी थीं तब न्यूजीलैंड ने 4 विकेट से मुकाबला जीता था। उस मैच में भारतीय टीम ने सौरव गांगुली (117) और सचिन तेंदुलकर (69) की शानदार पारी की मदद से भारत ने 50 ओवरों में 264/6 रन बनाए। वहीं इसके बाद क्रिस केर्न्स की नाबाद 102 रन की पारी से न्यूजीलैंड ने 2 गेंद पहले ही मुकाबला जीत लिया।चैंपियंस ट्रॉफी को ही पहले आईसीसी नॉकआउट टूर्नामेंट कहा जाता था वहीं इसके बाद साल 2019 में एकदिवसीय विश्वकप में दोनो की टक्कर हुई थी। तब न्यूजीलैंड 18 रन से जीती थी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 239 रन बनाये थे। बारिश के कारण भारतीय टीम को 49 ओवर में संशोधित 240 रन का लक्ष्य मिला था जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 49.3 ओवर में 221 बनाये थे।इसके बाद आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2019-2021 फाइनल में भी भारतीय टीम आठ विकेट से हारी थी।

जिला स्तरीय जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

मुरादाबाद। खेल निदेशालय उप्र लखनऊ के तत्वावधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय, मुरादाबाद द्वारा जिला स्तरीय जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ अजय पाठक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। प्रभारी क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी प्रदीप कुमार सक्सेना ने प्रतियोगिता परिणाम की घोषणा करते हुए बताया कि 57 किग्रा प्रथम स्थान पर अभिषेक राजपूत, द्वितीय ऋतिक राजपूत, तृतीय यश व सूरज, 61 किग्रा में प्रथम हनी, द्वितीय रोहित, तृतीय अरूण, तृतीय रवि, 65 किग्रा प्रथम श्रेय वर्मा, द्वितीय रिंकू, तृतीय लव, तृतीय सुमित रहे। 70 किग्रा में प्रथम संजय दत्त, द्वितीय कृष्ण कुमार, तृतीय ओमवीर, तृतीय दुर्गेश, 74 किग्रा प्रथम शिवम चाहल, द्वितीय विनीत, तृतीय समीर, तृतीय स्थान पर राहुल रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक करतार पहलवान, आनन्द राघव, सुनील चौधरी, मुस्कान, दीपक, गोविन्द कुमार यादव, अभी, दिलीप गुप्ता आदि रहे। इस अवसर पर पवन सिसौदिया सचिव जिला कुश्ती संघ, अंकित अग्रवाल लेखाकार, सचिन विश्नोई फुटबाल प्रशिक्षक, ललिता चौहान व आसिफ सिद्दीकी बैडमिन्टन प्रशिक्षक, नरेश पाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

महिला प्रीमियर लीगः मुंबई इंडियंस ने यूपी वारियर्स को छह विकेट से हराया

लखनऊ। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के 16वें मैच में मुंबई इंडियंस ने यूपी वॉरियर्स को छह विकेट से हरा दिया है। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वॉरियर्स ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाए। टीम की ओर से जॉर्जिया वोल ने 33 गेंदों पर 55 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, लेकिन अन्य बल्लेबाज उनका साथ देने में असफल रहीं। मुंबई इंडियंस की गेंदबाजों ने सधी हुई गेंदबाजी का प्रदर्शन किया, जिससे यूपी वॉरियर्स बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। मुंबई के लिए अमिलिया केर ने पांच विकेट चटकाए, जबकि हेली मैथ्यूज को दो सफलता मिली। वहीं, नैट सीवर ब्रंट और परुनिका सिसोदिया ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस ने 18.3 ओवर में 4 विकेट खोकर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया। सलामी बल्लेबाज हीली मैथ्यूज ने 46 गेंदों पर 68 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिससे टीम को मजबूत शुरुआत मिली। उनकी इस पारी ने जीत की नींव रखी, जिसे मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने सफलतापूर्वक पूरा किया। नैट सिवर ने 37 रन की अहम पारी खेली। यूपी वारियर्स के लिए ग्रेस हैरिस ने दो विकेट अपने नाम किए. जबकि हैनरी और क्रांति गौड़ को एक-एक विकेट मिला। इस जीत के साथ, मुंबई इंडियंस ने डब्ल्यूपीएल 2025 की अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत की है, जबकि यूपी वॉरियर्स को अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज शेयर बाजार की मिली-जुली शुरुआत हुई। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। हालांकि पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद खरीदार बाजार पर हावी होने लगे, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में तेजी का रुख बन गया। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.20 प्रतिशत और निफ्टी 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एचडीएफसी लाइफ, बजाज ऑटो और हीरो मोटोकॉर्प के शेयर 2.07 प्रतिशत से लेकर 1.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर इंडसइंड बैंक, श्रीराम फाइनेंस, इंफोसिस, बीपीसीएल और एनटीपीसी के शेयर 2.58 प्रतिशत से लेकर 1.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,438 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,720 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 718 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 17 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 7.05 अंक की मामूली बढ़त के साथ 74,347.14 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी ऊपर-नीचे होती रही। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 300 अंक से अधिक की कमजोरी के साथ 74,038.03 अंक तक पहुंच गया, वहीं खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इसने 160 अंक से अधिक की छलांग लगाकर 74,509.62 अंक तक पहुंचने में भी सफलता हासिल की। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 150.21 अंक की तेजी के साथ 74,490.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 36.05 अंक की कमजोरी के साथ 22,508.65 अंक के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद पहले आधे घंटे तक इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। बिकवाली के दबाव में निफ्टी करीब 80 अंक टूट कर 22,464.75 अंक तक गिर गया। वहीं, खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये सूचकांक 60 अंक से अधिक की मजबूती के साथ 22,608.05 अंक तक पहुंचने में भी सफल रहा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 53.95 अंक की मजबूती के साथ 22,598.65 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 609.86 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 74,340.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी ने 207.40 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की उछाल के साथ 22,544.70 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

डीपीआईआईटी और मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने विनिर्माण, सड़क सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए किया समझौता

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और मर्सिडीज-बेंज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में नवाचार, स्थिरता और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस एमओयू पर डीपीआईआईटी के निदेशक डॉ. सुमीत कुमार जारंगल और मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक संतोष अय्यर ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य तकनीकी उत्कृष्टता प्राप्त करने और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने में स्टार्टअप, इनोवेटर्स और उद्यमियों का समर्थन करना है। मंत्रालय ने कहा कि इस एमओयू के तहत मर्सिडीज-बेंज इंडिया स्टार्टअप्स को बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन, फंडिंग तक पहुंच और बाजार संपर्क प्रदान करके समर्थन देने के लिए डीपीआईआईटी के साथ मिलकर काम करेगी। यह साझेदारी भारत सरकार की स्टार्टअप इंडिया पहल के अनुरूप है, जो उभरते इनोवेटर्स और उद्यमियों की व्यापक पहुंच और अधिक भागीदारी सुनिश्चित करती है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक यह सहयोग संरचित कार्यक्रम बनाने पर केंद्रित होगा, जो स्टार्टअप को बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन, वित्तपोषण के अवसर और बाजार संपर्क प्रदान करेगा। यह पहल अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी सुगम बनाएगी और दीर्घकालिक प्रभाव को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान के आदान-प्रदान को सुनिश्चित करेगी।इस अवसर पर डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि मर्सिडीज-बेंज इंडिया के साथ साझेदारी भारत की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है, साथ ही जिम्मेदार और टिकाऊ नवाचारों को बढ़ावा देना है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक संतोष अय्यर ने इस सहयोग के लिए उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह सड़क सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता और उन्नत विनिर्माण के कंपनी के फोकस क्षेत्रों के साथ संरेखित है। उन्होंने अपने संबोधन में इस बात पर प्रकाश डाला कि कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी फंडिंग के माध्यम से मर्सिडीज-बेंज इंडिया सार्थक सामाजिक प्रभाव को आगे बढ़ाने के लिए इनक्यूबेटर और संस्थानों के साथ मिलकर काम करेगी।

आरईआईटी ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई/नई दिल्ली। सत्व ग्रुप और ब्लैकस्टोन के संयुक्त उद्यम नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट (आरईआईटी) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरपीएच) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इश्यू के जरिए 6,200 करोड़ रुपये जुटाने की है, जो भारत का सबसे बड़ा आरईआईटी आईपीओ होगा। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट के प्रायोजक ब्लैकस्टोन और सत्व डेवलपर्स ने संयुक्त रूप से आईपीओ लाने के लिए मसौदा पत्र दाखिल किया है। सत्व समूह और ब्लैकस्टोन के बीच एक संयुक्त उद्यम आरईआईटी ने अपने डीआरएचपी में कहा कि इसका लक्ष्य आरंभिक सार्वजनिक निर्गम से 6,200 करोड़ रुपये तक जुटाना है, जो देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट लिस्टिंग हो सकती है। सेबी के पास जमा दस्तावेज के मुताबिक नेट ऑपरेटिंग इनकम (एनओआई) और ग्रॉस एसेट वैल्यू (जीएवी) के मामले में यह आरईआईटी भारत का सबसे बड़ा होगा। आरईआईटी में ब्लैकस्टोन की 55 फीसदी हिस्सेदारी होगी, जबकि शेष हिस्सेदारी सत्व की होगी। ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में लिस्टिंग के समय का खुलासा नहीं किया गया है। शेयर बाजार में लिस्टिंग के बाद नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट भारत का पांचवां सूचीबद्ध आरईआईटी होगा। ड्राफ्ट पेपर्स में साझा किए गए विवरण के मुताबिक इसका कुल लीज योग्य क्षेत्रफल 48 मिलियन वर्ग फीट होगा, जो एशिया में दूसरा सबसे बड़ा होगा। आरईआईटी की 95 फीसदी संपत्तियां शीर्ष तीन भारतीय कार्यालय बाजारों मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में केंद्रित हैं। आरईआईटी के पोर्टफोलियो का 90 फीसदी हिस्सा पट्टे पर है, जिसमें 76 फीसदी किराएदार बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं। आरईआईटी में शामिल कुछ संपत्तियां मुंबई में वन बीकेसी, वन इंटरनेशनल सेंटर और वन वर्ल्ड सेंटर हैं। कंपनी के मुताबिक यह भारत का सबसे बड़ा रियल्टी इक्विटी ट्रस्ट (आरईआईटी) होगा, जिसका नाम नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट रखा गया है। इश्यू की बिक्री से प्राप्त आय का उपयोग मुख्य रूप से ऋण चुकाने के लिए किया जाएगा। 6,200 करोड़ रुपये के कुल निर्गम आकार में से 5,800 करोड़ रुपये का उपयोग बकाया ऋण के आंशिक या पूर्ण पुनर्भुगतान या कुछ परिसंपत्ति विशेष प्रयोजन वाहनों और निवेश संस्थाओं के ऋण के पूर्व भुगतान के लिए किया जाएगा।

स्टॉक मार्केट में बालाजी फॉस्फेट्स की प्रीमियम एंट्री, 7 प्रतिशत से अधिक के फायदे में निवेशक

नई दिल्ली। खाद बनाने वाली कंपनी बालाजी फॉस्फेट्स के शेयरों की आज 7.14 प्रतिशत प्रीमियम के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 70 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 75 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 78 रुपये के भाव पर आ गया। हालांकि थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बनने पर इसमें गिरावट आ गई। लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच दोपहर 11:30 बजे ये शेयर 75 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। बालाजी फॉस्फेट्स का 50.11 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 फरवरी से 4 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.21 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.34 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 41.58 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 12.18 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। नए शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कैपिटल एक्सपेंडिचर, वर्किंग कैपिटल और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 3.19 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 6.09 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ थोड़ा गिर कर 6.04 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 10 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 151.68 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से अगस्त 2024 के बीच कंपनी को 4.15 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 54.85 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

अखिल अक्किनेनी की फिल्म एजेंट अपनी ओटीटी रिलीज को तैयार

14 मार्च को सोनी लिव पर होगी स्ट्रीम

सुपरस्टार नागार्जुन अक्किनेनी के छोटे बेटे अखिल अक्किनेनी पिछली बार फिल्म एजेंट में नजर आए थे, जिसमें वह भरपूर एक्शन करते दिखे। अखिल अक्किनेनी की फिल्म एजेंट एक्शन से भरी जासूसी थ्रिलर फिल्म है। यह फिल्म 28 अप्रैल 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन अब करीब दो साल बाद जाकर फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया जा रहा है। जासूसी थ्रिलर फिल्म एजेंट को 14 मार्च, 2025 से सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी। कई बार देरी और हिंदी टीवी प्रीमियर के बाद, यह फिल्म तेलुगु के साथ-साथ मलयालम, तमिल और कन्नड़ में भी स्ट्रीम होगी, जिससे अखिल के ज्यादा प्रशंसक इस फिल्म को देख सकें। फिल्म निर्माताओं ने इसकी पुष्टि करते हुए एक वीडियो एक्स पर साझा किया और लिखा, अलर्ट एक ऐसा जासूस जो किसी और जैसा नहीं है। मिशन ब्रीफ चालाकी भरी चालें। जानलेवा दांव। बेहतरीन एक्शन। फिल्म एजेंट का निर्देशन सुरेंदर रेड्डी ने किया है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन अखिल के प्रशंसक इसे लेकर अभी भी उत्साहित हैं। इसमें मॉलीवुड के बड़े स्टार ममूटी अहम किरदार में हैं, जबकि साक्षी वैद्य और डिनो मोरिया भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए। फिल्म की कहानी वक्कन्थम वामसी ने लिखी है और इसे रामब्रह्मम सुनकारा ने प्रोड्यूस किया है। हिपहॉप तमिझा ने फिल्म में संगीत दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म को करीब 85 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया था। वहीं इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर महज 8 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार, एजेंट की ओटीटी रिलीज तय होने पर अखिल के प्रशंसक खुश हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि अब कोई देरी नहीं होगी। एजेंट में भरपूर एक्शन, ड्रामा और सस्पेंस है, जो दर्शकों को बांधे रख सकता है। बहरहाल, अखिल के प्रशंसकों की नजरें 14 मार्च पर टिकी हैं, जब यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी।

शिबानी को कहां से आया सीरीज डिब्बा कार्टेल का आइडिया?

चर्चा में है नया क्राइम ड्रामा

शबाना आजमी के अलावा ज्योतिका, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन जैसी उम्दा एक्ट्रेस ने वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल में ऐसी महिलाओं का रोल किया है, जो ड्रग, क्राइम के जाल में फंस जाती हैं। फिर ड्रग्स का बिजनेस करने लगती हैं। इस कहानी का आइडिया वेब सीरीज की क्रिएटर शिबानी दांडेकर को कैसे आया? इस सीक्रेट के बारे में शिबानी ने हाल ही में बताया है। शिबानी दांडेकर ने बताया कि वह एक समय में बहुत ज्यादा क्राइम ड्रामा देखा करती थीं। ऐसे में अचानक उन्हें ख्याल आया कि क्राइम ड्रामा में महिलाओं की कहानी को दिखाया जाए। इस तरह वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल का आइडिया शिबानी दांडेकर को आया। शबाना आजमी इस सीरीज का हिस्सा इसलिए बनी हैं क्योंकि यह उनके लिए फैमिली प्रोजेक्ट की तरह है। वह रिश्ते में शिबानी की सास लगती हैं। शबाना आजमी ने जावेद अख्तर से शादी की है। फरहान अख्तर, जावेद अख्तर के बेटे हैं, वह उनकी पहली शादी से हुए हैं। शिबानी, फरहान की पत्नी हैं। ऐसे में शिबानी और शबाना रिश्ते में सास-बहू हैं। पिछले दिनों शबाना ने कहा था कि शिबानी ने इस वेब सीरीज को क्रिएट किया। वह कहती हैं, 'उसने मुझे हुक्म दिया, एक्टिंग करने के लिए। मैं बहू को कैसे मना कर सकती थी और बेटा (फरहान) तो प्रोड्यूसर ही है। डिब्बा कार्टेल की स्टोरी काफी यूनीक नजर आती है। इसमें कुछ महिलाएं एक ड्रग माफिया चला रही हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं। वेब सीरीज में शबाना आजमी, ज्योतिका, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन ने अहम किरदार निभाए हैं। लेकिन शबाना आजमी सीरीज में छा जाती हैं। साथ ही ज्योतिका की एक्टिंग की भी सोशल मीडिया पर काफी तारीफ हो रही है।

फिल्म दिलरुबा का दूसरा गाना हे जिंगिली रिलीज़, किरण अब्बाराम और रुखसार ढिल्लन की दिखी खूबसूरत केमिस्ट्री

किरण अब्बाराम अपनी आने वाली फिल्म दिलरुबा के साथ फिल्म प्रेमियों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। निर्माता फिल्म का प्रचार कर रहे हैं और पहला सिंगल अग्गी पुले रिलीज़ करने के बाद, निर्माताओं ने हे जिंगिली गाना रिलीज़ किया। इस गाने को खुद सैम.सीएस ने गाया है, जिन्होंने इसके लिए जोशीला संगीत तैयार किया है। गाने के बोल भास्कर भटला ने लिखे हैं। रुखसार ढिल्लन और किरण अब्बाराम के बीच की केमिस्ट्री मनमोहक है और गाने को खूबसूरत लोकेशन पर कोरियोग्राफ किया गया है और इसे मनोरंजक तरीके से शूट किया गया है। फिल्म में नाजिया डेविसन अहम भूमिका में हैं। फिल्म को 14 मार्च 2025 को भव्य तरीके से रिलीज़ किया जाएगा। फिल्म को रवि, जोजो जोस, राकेश रेड्डी और सारेगामा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। किरण अब्बावरम दिलरुबा के साथ फिल्म प्रेमियों को लुभाने और बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। किरण अब्बावरम को आखिरी बार थ्रिलर केए में देखा गया था।

बॉडीकॉन आउटफिट पहन अनुष्का सेन ने शेयर किया किलर लुक, एक्ट्रेस की कातिल अदाएं देख यूज़र्स के उड़े होश

अनुष्का सेन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अंदाज देककर फैंस मदहोश हो गए हैं। एक्ट्रेस अनुष्का सेन हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका किलर लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उन पर से नजरें हटाने का नाम नहीं ले रहे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। अनुष्का सेन की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने रेड कलर का ऑफ शोल्डर आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। खुले बालों को कर्ली स्टाइल में लुक कर के और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से मंत्रमुग्ध हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है।

सिनेमाघरों में री-रिलीज होगी अक्षय कुमार की नमस्ते लंदन, फिर से चलेगा अर्जुन और जैज का जादू

अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ की रोमांटिक कॉमेडी नमस्ते लंदन साल 2007 में रिलीज हुई थी. दर्शकों को यह फिल्म काफी पसंद आई थी, अब अक्षय कुमार ने इसकी री-रिलीज की अनाउंसमेंट करते हुए फैंस का दिल खुश कर दिया है. खिलाड़ी कुमार ने हाल ही में सोशल मीडिया पर फिल्म को दोबारा रिलीज करने का अनाउंसमेंट किया. अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ की नमस्ते लंदन होली के अवसर पर यानि 14 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक ब्लॉकबस्टर हिट थी. अक्षय ने अपने इंस्टाग्राम इसकी अनाउंसमेंट करते हुए लिखा, इस होली, 14 मार्च को बड़े पर्दे पर नमस्ते लंदन की फिर से रिलीज की घोषणा करते हुए एक्साइटेड हूं. कैटरीना कैफ के साथ जादूई गोनों, बेहतरीन डायलॉग्स और रोमांस को फइर से जीने के लिए तैयार हो जाइए. थिएटर में मिलते हैं. नमस्ते लंदन जसमीत या जैज (कैटरीना) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो भारत में जन्मी और यूके में पली-बढ़ी है. उसे पार्टी करना, फैशनेबल कपड़े पहनना और रात भर शराब पीना पसंद है. जब वह अपने माता-पिता (ऋषि कपूर और नीना वाडिया) को बताती है कि वह एक गोरे आदमी से शादी करना चाहती है, जिसके बाद वे उसे भारत ले जाते हैं. वहीं अक्षय कुमार की एंट्री होती है जिसका नाम अर्जुन सिंह है. जो तुरंत जसमीत के प्यार में पड़ जाता है. वह उससे शादी करने में कामयाब हो जाता है, लेकिन यूके लौटने पर वह उससे धोखा खा जाता है. आखिर में जसमीत उसके प्यार को समझती है या नहीं यही कहानी है. नमस्ते लंदन कॉमेडी और ड्रामा से भरपूर है जिसे दर्शक आज भी उतना ही पसंद है. मेकर्स ने इसकी री रिलीज का अनाउंसमेंट करके लोगों का दिल खुश कर दिया है. फिल्म के गाने, डॉयलॉग और कहानी फैंस के फेवरेट बने हुए हैं. वर्कफ्रंट की बात करें तो पिछली बार वे फिल्म स्काई फोर्स में नज़र आए थे, जिसमें उनके साथ वीर पहाड़िया थे. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है. वहीं कैटरीना कैफ मैरी क्रिसमस में नजर आई थी उनकी आने वाली फिल्म वरुण धवन के साथ है.

Motihari Hosts *"Shaurya Bednam"*, Citizen Experienced Army life

Sagar Suraj | Motihari

India's military might were displayed in Motihari- a twin city located along Indo-Nepal border in Bihar on Friday, with all three army wings showcasing military life, weapons and advance equipment being used by infantry and Special Forces. Governor of Bihar Arif Mohammad Khan along with senior Army officials inaugurated the two days event beginning from 7 February and Paratroopers welcomed the guests with tricolor leaving Motihari residents spellbound. Addressing the gathering, the Governor said that Indian culture is inherent with the concepts of non-violence, that doesn't mean we are sissy. To protect our territories and give befitting reply to those who ever thought to intimidate us, we have equipped our army with world class war technologies.For the first time, the Motihari citizens got this unique opportunity to witness cutting-edge weaponry, advanced defense systems in 'Shourya Bednam Utsav'- an event organized in the field of Gandhi Maidan, Motihari jointly by the union defense ministry and district administration. The soldiers left the crowd awestruck with a daring display of precision and bravery, with the display of operational readiness and fostering a sense of pride among huge numbers of youths thronged at the event site. District magistrate of East Champaran Saurabh Jorwal said that event is aiming to showcase Indian army strength, technological advancements, while bridging the gap between civilian and armed forces, and encouraging youths. A huge gathering, on the occasion witnessed Bofors Tank, T-90 tank, Bofors gun drill maneuver, indigenous K-9 automatic tank, BMP vehicle, locating radar and AK-47 and other deadly weapons being used by India army at the time of war. A thrilling demonstration of Su-30 fighter jet, AN- 32, and Chetak fly past draws the audience. Free fall demonstrations from 8000 feet also fascinated the spectators in the same vein. India army's operational demonstration (raids on enemy communication) added additional interests among spectators. Air force's exhibition of advanced weapons and Dog show, Robotic mules, martial arts, dare devil Bike display, operational demo, and a gala cultural show by army wings draws huge appreciations. Forces exhibited Khukri Dance, Bhangda dance, Chhau dance and left the audience spell abound. Coordinated mass band was also a fresh experience for the audience. General officer commanding in chief lieutenant general of middle command Anigham Sen Gupta and parliamentarian Radha Mohan Singh, District Magistrate (DM) Saurabh Jorwal, Superintendent of police (SP) Swarn Prabhat also graced the function among others.

> "Indian culture is inherent with the concepts of non-violence, that doesn't mean we are sissy. To protect our territories and give befitting replies to those who ever thought to intimidate us, we have equipped our army with world class war technologies"
>
> Arif Mohammad Khan, Governor of Bihar

Stalin's mega outreach to 7 states as Tamil Nadu vs Centre delimitation row rages

Agency: Tamil Nadu Chief Minister MK Stalin wrote a letter to various chief ministers, including all south Indian states, along with his counterparts from West Bengal, Odisha and Punjab. He called for the formation of a Joint Action Committee to plan for the upcoming delimitation exercise. In the letter, he said he was reaching out with two specific requests: A formal consent by the states of "Tamil Nadu, Kerala, Andhra Pradesh, Telangana and Karnataka in the South", along with "West Bengal and Odisha in the east, Punjab in the north." His second request was that the states nominate a "senior representative" from the party who could serve on the JAC to help coordinate Tamil Nadu's "unified strategy." In the letter, he also proposed an inaugural meeting on March 22 in Chennai to discuss a collective path forward to discuss the delimitation.

"This moment demands leadership and collaboration, rising above political differences and standing up for our collective good," he wrote. In a separate post on his official X handle, he also questioned what was "pro-rata" basis, a term Union Home Minister Amit Shah used to counter Stalin's claim that Tamil Nadu would lose eight seats if delimitation happened. In the post, he called it "an empty rhetoric." Stalin expressed strong opposition to delimitation, emphasising that it unfairly penalised states that successfully implemented population control measures and maintained good governance. According to Stalin, the issue at hand was not merely an abstract debate on governance but a fundamental question of states' rights and their ability to secure resources for development. "This issue transcends individual state concerns and strikes at the heart of the federal principle. What is at stake is not any abstract principle it is our states' ability to secure rightful resources for development, to influence crucial policies on education and healthcare, and to ensure our economic priorities receive due attention in the national agenda," Stalin stated. Taking proactive steps, Stalin reached out to his counterparts across multiple states, urging them to unite against what he terms as "democratic injustice." He also announced on social media that the letter was also sent to key political leaders in the other states. Through the letter, he called for an uncompromising fight against the Union Government's move. MK Stalin made a clarion call to all political leaders across parties in the states that would be affected by delimitation. He invited representatives from various political parties across the affected states, including the CPI(M), BJP, Congress, AAP, TDP, YSRCP, BJD, and Akali Dal, to send senior representatives to deliberate on a unified course of action. Stalin extended an open invitation to all concerned leaders, emphasising that their collective struggle is not about political divisions but about safeguarding the future of their people. "Let us stand together not as separate political entities but as protectors of our people's future," he urged.

Food panel chief inspects ration depots

Agency: Punjab State Food Commission Chairman Bal Mukand Sharma conducted surprise inspections at government ration depots in the district. The purpose was to check ration distribution by the depots. Sharma checked the depots on the Barewal road and in other areas of the city. He also interacted with beneficiaries, who had come to collect their ration and provided them with information about their rights. Officials of the Food and Civil Supplies Department were also present during the inspection. Sharma said the government was distributing wheat under a three-month plan from January to March. According to official data, around 87 per cent of wheat has already been distributed in the district. "Additionally, the introduction of biometric machines and electronic weighing machines in all government ration depots has enhanced transparency in the distribution process, providing relief to the public," he said. The Chairman said surprise visits were being done regularly and if any negligence was found in welfare schemes, the commission would take strict action against the guilty.

One more held in fake property registration case

Agency: After the Vigilance Bureau (VB), Ludhiana, registered a case against nine individuals for fraudulently executing the sale deed of a 14 kanal land in Ludhiana belonging to an NRI residing in the USA, using forged documents and arrested advocate Gurcharan Singh, the VB is likely to start Disproportionate Assets (DA) inquiry against the tehsildar west, Jagsir Singh Saran, who executed the registration of land worth crores without verifying facts. Interestingly, the registration of the land was executed at Rs 30 lakh. However, the land was having a market value of Rs 6 crore. Meanwhile, the Vigilance Bureau on Thursday claimed to have made the second arrest in the case. The nabbed suspect was identified as realtor Gurjot Singh, owner of Landmark Real Estate. Gurjot was nominated in the case as the tenth accused as he was not nominated in the initial FIR. Now, raids were being conducted to nab the remaining eight suspects, including tehsildar Jagsir. He was reportedly gone underground. Gurjot was produced in a court on Thursday which sent him to one-day police custody for investigation. An official of the Vigilance Bureau told The Tribune here on Monday that "Recently when a case was registered against nine individuals, including the tehsildar, the police had also conducted a raid at the house of the tehsildar in Ajit Villas, South City, and reportedly recovered some important documents.

Family gives nod to Manmohan Singh's memorial at Rashtriya Smriti Sthal

Agency: Decks have been cleared to build a memorial to former prime minister Manmohan Singh, with his family's nod to the proposed site at the Rashtriya Smriti Sthal. Sources close to Singh's family said it had written to the Ministry of Housing and Urban Development, approving the site proposed and sending a letter of acceptance. The three daughters of Singh, also a former Union finance minister, and their husbands had earlier visited the proposed memorial site. The site, measuring around 900 square metres, is at the Rashtriya Smriti Sthal, where the memorials to many former prime ministers and presidents have been set up.The memorial to former president Pranab Mukherjee is adjacent to the site proposed for Manmohan Singh. The next in the process would be the transfer of land in the name of a trust to be set up in memory of Manmohan Singh. The family has to propose and finalise the names of members of the trust, which is likely to be set up soon, sources said. Once the trust is formed, the government will transfer a grant of Rs 25 lakh for the building of the memorial, sources said. The Central Public Works Department (CPWD) officials have already visited the site. Singh, considered the architect of India's economic reforms, died on December 26, 2024, at the age of 92 following age-related complications. His last rites were held at the Nigambodh Ghat. The choice of the funeral ground was frowned upon then by the Congress, the party Singh was associated with.

ED arrests realty group WTC's promoter in money laundering case

Agency: The agency alleged that after promising assured returns in exchange for investment against plots or commercial spaces, WTC "diverted" the funds of depositors and these were "siphoned off" to several shell companies. The Enforcement Directorate has arrested Ashish Bhalla, the promoter of the Delhi-NCR-based realty group WTC, in a money laundering case linked to homebuyers' funds, official sources said on Friday. Bhalla was taken into custody under the Prevention of Money Laundering Act on Thursday, and a special court in Gurugram sent him to ED custody for six days, they said. The agency alleged that after promising assured returns in exchange for investment against plots or commercial spaces, WTC "diverted" the funds of depositors and these were "siphoned off" to several shell companies to acquire lands at various locations. Hundreds of crores of rupees were also diverted to suspicious entities in Singapore whose beneficial ownership is with Bhalla's family members. During the probe, it was found that the WTC group collected more than Rs 3,000 crore from various investors across several states, such as Haryana, Uttar Pradesh and Punjab as well as cities like Chandigarh and Ahmedabad. Earlier, the ED had conducted search operations on February 27, during which Bhalla remained absconding and induced key persons against cooperating with the investigation. He had remained absconding for several days in an attempt to frustrate proceedings under PMLA.

Bear with the bullies: Is powerhouse India facing fair scrutiny or sour grapes?

Agency: The Champions Trophy, returning after an eight-year hiatus, has generated more headlines off the field than on it. This edition also marked the return of an ICC event to Pakistan, albeit in a hybrid model for the first time in 29 years, sparking faint hopes of a brighter future for the country in world cricket. The final will be a rematch of the 2000 ICC Knockout: India vs. New Zealand. Both teams have earned their place, standing out in a tournament marred by bad weather, Pakistan's disappointing campaign as hosts, and relentless debate over the hybrid model allegedly favouring India. Is India the 'Donald Trump of global cricket'? Some critics seem to think so. There's no denying that the sport now has an undisputed powerhouse: the Board of Control for Cricket in India (BCCI). But unlike political figures who rise and fall, the BCCI's influence over world cricket has only strengthened over the past three decades. The decision to have India play all their matches in Dubai has sparked outrage among former cricketers and pundits. Michael Atherton and Nasser Hussain, speaking on the Sky Sports Podcast, argued that playing at a single venue provides India with an 'undeniable advantage.' No doubt South Africa's chaotic travel itinerary for the semi-finals was an unfortunate consequence of the hybrid model. Flying to Dubai before the semi-final only to be rerouted back to Lahore within hours was an unnecessary strain on the team. The flawed schedule stemmed from the uncertainty over India's opponent, given that India's semi-final location in Dubai was predetermined. Could there have been a better solution? Absolutely! But whose fault was it? While these concerns are valid from a competitive standpoint, the reality remains that India refused to travel to Pakistan due to geopolitical reasons. The hybrid model was the only viable solution. As Hussain himself admitted, "What else could have happened? Once India refused to come to Pakistan, what could have happened? You can't have a tournament like this without India-Pakistan. It had to be in Dubai." India's stance is not unique. Sport and politics have long been intertwined. Western nations have regularly boycotted tournaments held in politically adversarial nations. The Olympics have been used for political signalling for decades, with the US boycotting the 1980 Moscow Games and the USSR retaliating in 1984. Cricket is no different. Former Indian captain Sunil Gavaskar was blunt in his response to Atherton and Hussain. Speaking to India Today, he dismissed the outcry as repetitive and baseless.

"All the time, they are mourning 'India has got this, India has got that.' It's constant. We must just ignore it. Let them keep mourning. We have better things to focus on." Gavaskar pointed out that India's contribution to world cricket is unparalleled, particularly in financial terms. "India's contribution to global cricketthrough television rights and media revenueplays a massive role. They need to understand that their salaries also come from what India brings to the world of cricket."

The argument could have been simple: if other teams were uncomfortable with the arrangement, they could have united and pressured the ICC to boycott India. But why didn't they? Given the political tensions, expecting India to travel to Pakistan without hesitation was naive. The discussions between the ICC, BCCI, and the PCB occurred less than a year before the Champions Trophy. So why didn't other teams stand against India? The answer is clear: everyone wanted their share of the tournament's revenue, driven by the broadcasters. If you haven't noticed, the ICC has been squeezing as many world tournaments as possible into each year. Since 2021, there has been at least one major tournament annually. No other sport does this. The revived Champions Trophy was specifically designed to capitalise on rivalries like India vs Pakistan and Australia vs England -- teams that don't face off every six months. India missing the competition would have been a huge loss for the broadcaster, the ICC, and, ultimately, the other teams, who will benefit financially from the tournament.The dissatisfaction from the English camp, particularly former players, is ironic. No cricketer-turned-commentator raised concerns when England enjoyed a comfortable Caribbean schedule during the 2024 T20 World Cup. England were tucked away in the islands, while teams like India, Pakistan, and Bangladesh struggled with inadequate facilities in the United States. Teams had to train in public parks and hire special gyms due to the poor facilities in New York. Likewise, no one complained when India travelled across the country during the 2023 ODI World Cup to cater to their vast fanbase. In the 2015 ODI World Cup, New Zealand, co-hosting with Australia, played all their matches at home in their impressive run to the final. The final was scheduled at the iconic Melbourne Cricket Ground. The Kiwis, under Brendon McCullum, dominated at home but crumbled against Australia in their first match outside their comfort zone. With India refusing to travel to Pakistan, a precedent has been set.

Sit-ins lifted, SKM to now gherao MLAs on Mar 10

Agency: The Samyukt Kisan Morcha (SKM) on Thursday decided to withdraw all ongoing dharnas in Punjab and said its activists would gherao ruling party MLAs across the state on March 10. Harinder Singh Lakhowal, president of the Bhartiya Kisan Union (Lakhowal), announced this following a meeting of the union wherein "a detailed plan of action has been outlined". "Farmers will stage dharnas outside the residences of ruling party MLAs from 11 am to 3 pm on March 10 to express their resentment with the government," Lakhowal stated. Additionally, they will gather in Chandigarh on March 15 to protest outside the Chief Minister's residence. "We are prepared to engage in a debate regarding our demands and will invite CM Bhagwant Mann to participate in it on March 15.

Karnataka may revise Bengaluru airport SOPs after Ranya Rao arrest

Agency: The Karnataka government is planning to overhaul the Standard Operating Procedures at Bengaluru International Airport, barring family members and friends of senior bureaucrats from using protocol staff services, state Home Minister G Parameshwara said on Friday. The move comes after Kannada actor Ranya Rao, the stepdaughter of a senior police officer, was caught smuggling gold bars worth Rs 12 crore at Kempegowda International Airport. The Minister said that he has instructed the Director General of Police (DGP) to initiate the protocol process, which should be handled by the Department of Personnel and Administrative Reforms, and they will work on it. The preliminary investigation revealed that Ranya Rao, the 33-year-old stepdaughter of senior IPS officer Ramachandra Rao, informed security officials about her family connections to bypass security checks and smuggle a large quantity of gold from the UAE. She had also allegedly asked police officers to accompany her from the airport. According to police sources, Ranya Rao reportedly made 30 trips to Dubai in one year, allegedly smuggling kilos of gold on each trip before finally being caught on March 3. Sources added a police constable at the airport allegedly helped the actor bypass stringent security checks at the airport. The actor was paid Rs 1 lakh per kg of smuggled gold, and she allegedly earned around Rs 12-13 lakh per trip, according to sources. In her statement to the Directorate of Revenue Intelligence (DRI), the actor confessed to smuggling 17 gold bars and informed the probe team that she had also travelled to other countries in Europe, America, and the Middle East. During interrogation, Rao claimed that she was "trapped" into smuggling, official sources said. Authorities have intensified their search for the masterminds behind the gold smuggling network as the actor has been remanded to custody for three days.